epaper.dehatsandesh.com

3 मोबाइल मेडिकल गश्त के माध्यम से सुदूर गांवों में स्वास्थ्य सेवा पहुंचाई

5 रोहित अगर रन नहीं बनाते तो कप्तानी छोड़ सकते हैं : गावस्कर

8 स्ट्रॉबेरी की उन्नत खेती एवम् फसल की देखभाल

मौसम जम्मू न्यूनतम 5 अधिकतम 20

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-304 | जम्मू तवी, शुक्रवार 20 दिसम्बर, 2024 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू-कश्मीर को जल्द ही आतंक से मिलेगी मुक्तिः अमित शाह

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यहां जम्मू कश्मीर पर उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि आतंक के खिलाफ 'जीरो टालरेंस' नीति के तहत जल्द ही केन्द्र शासित प्रदेश को आतंकवाद मुक्त करने के लक्ष्य को हासिल कर लिया जायेगा।

गृह मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, निदेशक (आईबी), रॉ प्रमुख, सेनाध्यक्ष, जीओसी-इन-सी (उत्तरी कमान), डीजीएमओ, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति के तहत, हम जल्द से जल्द 'आतंक मुक्त जम्मू और कश्मीर' के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे और इसके लिये सभी संसाधन उपलब्ध कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार, सभी

सुरक्षाबलों के एकजुट प्रयासों के साथ जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद पर संपूर्ण वर्चस्व स्थापित करने के प्रति कटिबद्ध है। श्री शाह ने कहा कि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर के लोगों की अभूतपूर्व भागीदारी से पता चलता है कि उनका देश के लोकतंत्र पर पूरा विश्वास है। गृह मंत्री ने आतंकवाद की घटनाओं, घुसपैठ और आतंकवादी संगठनों में युवाओं की भर्ती में उल्लेखनीय गिरावट के लिये सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का इको-सिस्टम लगभग खत्म हो गया है। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए समन्वित तरीके से काम जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने एरिया डॉमिनेशन प्लान और ज़ीरो टेरर प्लान का कार्यान्वयन मिशन मोड में करने पर ज़ोर दिया।

अम्बेडकर पर विवाद बढ़ा, भाजपा और इंडिया समूह ने एक-दूसरे पर लगाये हिंसा के आरोप

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर पर विवाद गुरुवार को और बढ़ गया और संसद परिसर में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी इंडिया समूह के बीच लड़ाई का मैदान बन गया और दोनों की ओर से एक-दूसरे पर हिंसा करने के आरोप लगाये और मामला पुलिस तक पहुंच गया। सत्ता और विपक्ष बीच टकराव बुधवार को ही शुरू हो गया था। विपक्ष ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य सभा में संविधान की 75 वर्ष की गौरवपूर्ण यात्रा पर हुई चर्चा का जवाब देते हुये डॉ अम्बेडकर का अपमान किया। श्री शाह और भाजपा के नेता इस आरोप का बार-बार खंडन करते रहे हैं। इस विवाद के कारण लोकसभा और राज्यसभा में आज भी कोई कामकाज नहीं हो सका, क्योंकि दोनों इस मसले को लेकर दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार स्थगित की गयी और फिर दिन भर के लिये स्थगित कर दी गयी। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष लगातार उनसे माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। संसद भवन परिसर में आज दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में अंबेडकर प्रतिमा से नये संसद भवन तक मार्च किया। उनका दल मकर द्वार पर पहुंच ही था कि वहां धक्कामुक्की की स्थिति उत्पन्न हो गयी, जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गये। उन्होंने दावा किया कि श्री गांधी ने सत्ता पक्ष के सदस्यों के साथ धक्का-मुक्की जिससे वे

गिर गये और घायल हो गये। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और श्री गांधी ने इन आरोपों से इनकार करते हुये कहा कि भाजपा सांसदों ने ही उन्हें संसद भवन में प्रवेश करने से रोकने की कोशिश की थी। भाजपा ने हालांकि मामले को तूल देते हुये उसके दो सांसदों अनुराग सिंह ठाकुर और बांसुरी स्वराज ने संसद मार्ग थाने में श्री गांधी के खिलाफ 'हत्या के प्रयास' का मामला दर्ज कराया। अस्पताल में भर्ती दो घायल सांसदों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उनका हालचाल जानने के लिये फोन किया। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने आरोप लगाया कि श्री गांधी ने हमारे सांसदों मुकेश राजपूत और प्रताप सारंगी के साथ मारपीट की है। उन्होंने पूछा, किस कानून ने राहुल गांधी को कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति दी है? उन्होंने कहा कि यह घटना संसद के मुख्य प्रवेश द्वार पर हुई, जहां भाजपा सांसद विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह वही जगह है जहां विपक्ष रोजाना विरोध प्रदर्शन करता है। हमने विरोध इसलिये किया क्योंकि कांग्रेस ने हमेशा डॉ अंबेडकर का अपमान किया है दूसरी तरफ नागालैंड से निर्वाचित भाजपा सदस्य एस. फान्गनॉन कोन्याक ने राज्य सभा में कहा, उन्हें बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि सदन के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान, मैं मकर द्वार के बाहर सीढ़ियों के नीचे खड़ी थी। उस समय मेरे साथ बहुत ही निराशाजनक घटना घटी।

कुलगाम मुठभेड़ में मारे गए आतंकी हो सकते हैं हिज्ब-उल-मुजाहिदीन से जुड़े : डीआईजी

कुलगाम, 19 दिसंबर । दक्षिण कश्मीर रेंज के डीआईजी जाविद इकबाल मट्टू ने गुरुवार को बताया कि कुलगाम मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादी संभवतः हिज्ब-उल-मुजाहिदीन से जुड़े हैं।

दक्षिण कश्मीर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) जाविद इकबाल मट्टू ने पत्रकारों को बताया कि मुठभेड़ के दौरान पांच आतंकवादी मारे गए हैं, जबकि दो सैनिक घायल हुए हैं और उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के शव बरामद किए जा रहे हैं और वह संभवतः हिज्ब-उल-मुजाहिदीन संगठन से जुड़े हैं, लेकिन सटीक विवरण ऑपरेशन समाप्त होने के बाद ही साझा किए जा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बेहीबाग इलाके के कद्देर में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मार गिराए हैं।

खबर लिखे जाने तक मारे गए आतंकियों की पहचान नहीं हो सकी है।

राजौरी में पुलिसकर्मी रहस्यमयी परिस्थितियों में पाया गया मृत

राजौरी, 19 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में जिला पुलिस लाइन के पास गुरुवार को एक पुलिसकर्मी रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत पाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि डीपीएल राजौरी के पास एक पुलिसकर्मी बेहोशी की हालत में मिला जिसके बाद उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक पुलिसकर्मी की पहचान हवलदार नजीर हुसैन कोहली निवासी केवल बुद्धा के रूप में हुई है।

पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने 10 फरार व्यक्तियों को आत्मसमर्पण या संपत्ति कुर्क करने की दी चेतावनी

जम्मू, 19 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला जिले के सोपोर इलाके में पुलिस ने 10 फरार व्यक्तियों को आत्मसमर्पण करने या अपनी संपत्ति कुर्क करने के लिए 30 दिन का समय दिया।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कानून से बचने वाले 10 व्यक्तियों के घरों पर उद्घोषणा आदेश चिपकाए हैं।

नोटिस के अनुसार आरोपी व्यक्तियों को 30 दिनों के भीतर अदालत में पेश होने के लिए कहा गया है। यदि वे निर्देश का पालन करने में विफल रहते हैं तो उनकी संपत्ति कुर्क कर ली जाएगी।

मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के शीर्ष कमांडर सहित पांच आतंकी ढेर

कुलगाम, 19 दिसंबर । कुलगाम जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष कमांडर सहित हिज्बुल मुजाहिदीन के पांच आतंकवादी मारे गए हैं। इस मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबल के दो जवान घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने बुधवार रात जिले के बेहीबाग इलाके के कद्देर में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबल के जवानों पर भारी फायरिंग की। जिसके जवाब में सुरक्षाबल के जवानों ने फायरिंग की। इस फायरिंग में पांच आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकियों में हिज्बुल मुजाहिदीन का स्वयंभू कमांडर फारूक अहमद भट उर्फ नाली भी शामिल है, जो दक्षिण कश्मीर के क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों और कई अपराधों में शामिल था। इस ऑपरेशन में मारे गए अन्य आतंकवादियों की पहचान

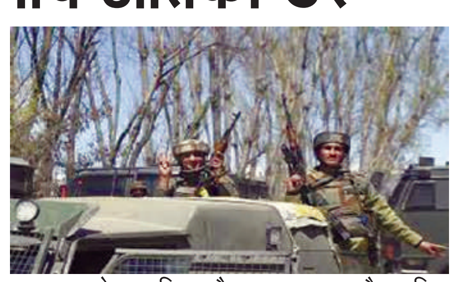

इरफान लोन, आदिल हुसैन, मुश्ताक इटू और यासिर जावेद के रूप में हुई है। यह सभी स्थानीय निवासी हैं। इलाके में सुरक्षाबल के जवान तलाशी अभियान चला रहे हैं। पुलिस ने स्थानीय निवासियों से सुरक्षा कारणों से मुठभेड़ स्थल के करीब न जाने का अनुरोध किया है।दक्षिण कश्मीर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) जाविद इकबाल मट्टू ने पत्रकारों को बताया कि मुठभेड़ के दौरान पांच आतंकवादी मारे गए हैं, जबकि दो सैनिक घायल हुए हैं और उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

22 दिसंबर को होगी कांस्टेबल फोटोग्राफर पद के लिए जेकेएसएसबी लिखित परीक्षा

कठुआ 19 दिसंबर। आगामी जेकेएसएसबी परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त कठुआ रंजीत सिंह ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। कांस्टेबल (फोटोग्राफर) के पद के लिए जेकेएसएसबी लिखित परीक्षा 22 दिसंबर 2024 को दोपहर 12 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक निर्धारित है। रंजीत सिंह ने परीक्षा के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यापक व्यवस्थाओं पर हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा की। यह निर्णय लिया गया कि सभी उम्मीदवारों को समायोजित करने के लिए जिले भर में 23 परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। बैठक में पेयजल सुविधा, बिजली आपूर्ति, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा प्रोटोकॉल और वीडियोग्राफी प्रक्रियाओं जैसे आवश्यक पहलुओं को शामिल किया गया। एडीसी ने सभी हितधारकों के बीच घनिष्ठ समन्वय के महत्व पर जोर दिया, उनसे परीक्षा के सुचारू और सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने पूरे जिले में जेकेएसएसबी परीक्षा के कुशल निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को उनकी विशिष्ट भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी दी। एडीसी ने नियुक्त अधिकारियों को जेकेएसएसबी के निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया, ताकि हर समय पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। एडीसी ने पुलिस विभाग को सभी परीक्षा केंद्रों पर तलाशी और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

अनुकरणीय आचरण करें सांसदः धनखड़

नयी दिल्ली 19 दिसंबर । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सांसदों से अनुकरणीय आचरण करने का आह्वान करते हुए कहा है कि यदि संसद संवाद और बहस का केंद्र नहीं बनी रही तो यह अप्रासंगिक हो जाएगी। श्री धनखड़ ने गुरुवार को यहां भारतीय वन सेवा के परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संसद संवाद, विचार विमर्श और बहस का स्थान है। उन्होंने कहा, अगर संसद संवाद, बहस और चर्चा का केंद्र नहीं बनी रही और अगर लोगों के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया तो संसद अप्रासंगिक हो जाएगी। इस तरह का पतन हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करेगा।

उपराष्ट्रपति ने सभी राजनीतिक दलों से भारतीय संविधान को अंगीकार करने के बाद से एक सदी के अंतिम चौथाई में प्रवेश करने के महत्व पर जोर देने की अपील की।

श्री धनखड़ ने कहा कि विकास या पर्यावरण संबंधी मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा , अगर हम राष्ट्रीय सुरक्षा या विकास के मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से देखना शुरू करते हैं, तो हम संविधान की शपथ के प्रति सच्चे नहीं हैं। इसके लिए हम सभी को राष्ट्रवाद के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता रखने की आवश्यकता है। हमें हमेशा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखना होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा , हम अमृत काल में हैं और वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की राह पर हैं। पूरा देश इस महान लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्साहित है।

प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन के किंग चार्ल्स से की बात, राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक पर की बात

नई दिल्ली, 19 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यूनाइटेड किंगडम के किंग चार्ल्स तृतीय से बात की। दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को याद करते हुए, दोनों ने भारत और यूके के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार उन्होंने राष्ट्रमंडल देशों और समोआ में हाल ही में संपन्न राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक पर विचारों का आदान-प्रदान किया। जलवायु कार्रवाई और स्थिरता सहित आपसी हित के कई विषयों पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इन मुद्दों पर उनकी निरंतर वकालत और पहल के लिए अपनी सराहना व्यक्त की और उन्हें भारत द्वारा की गई कई पहलों के बारे में जानकारी दी।

दोनों ने क्रिसमस और नए साल के आगामी त्योहारों पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने किंग को उनके अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रदेश कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाला

जम्मू, 19 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस ने गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाला। पार्टी ने दावा किया कि यह टिप्पणी डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिए अपमानजनक है। पार्टी ने यह भी मांग की कि शाह संसद और राष्ट्र दोनों में अपनी टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला और पूर्व उपमुख्यमंत्री तारा चंद के नेतृत्व में पार्टी के कई कार्यकर्ताओं, नेताओं, पूर्व मंत्रियों और पूर्व विधायकों ने अंबेडकर के बारे में शाह के बयानों के विरोध में पार्टी मुख्यालय से मार्च निकाला। उन्होंने शाह और भाजपा के खिलाफ नारे लगाए और उनके इस्तीफे की मांग की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका जिसके बाद कुछ देर के लिए हाथापाई हुई और तनावपूर्ण गतिरोध पैदा हो गया। तारा चंद ने संवाददाताओं से कहा कि शाह की टिप्पणी इस देश के दलितों और बाबासाहेब का सीधा अपमान है। हम इस तरह के बयानों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम उन्हें भविष्य में इस तरह की टिप्पणी करने के खिलाफ चेतावनी देते हैं।

प्रमुख सचिव ने जेपीडीसीएल के कामकाज की समीक्षा की

जम्मू 19 दिसंबर । विद्युत विकास विभाग के प्रमुख सचिव एच. राजेश प्रसाद ने जम्मू विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के कामकाज की समीक्षा की तथा राजस्व को अधिकतम करने और समग्र तकनीकी एवं वाणिज्यिक घाटे को कम करने का आह्वान किया।

बैठक में जेपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक, जेकेपीटीसीएल के प्रबंध निदेशक, अतिरिक्त सचिव, मुख्य अभियंता, मुख्य विद्युत निरीक्षक और जेपीडीसीएल के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव ने जेपीडीसीएल के सभी 1400 फीडरों के प्रदर्शन की समीक्षा की और घाटे में कमी के साथ कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार देखा। उन्होंने एमडी को अन्य क्षेत्रों में सफल प्रथाओं को दोहराने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों का केस स्टडी करने का निर्देश दिया। उन्होंने खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उच्च प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को मान्यता देने और पुरस्कृत करने का भी आह्वान किया।

उन्होंने स्मार्ट मीटरिंग परियोजनाओं का भी जायजा लिया और केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न जिलों में उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की। उन्होंने परिणामों पर संतोष व्यक्त किया, विशेष रूप से स्मार्ट मीटर वाले क्षेत्रों में, जहाँ नुकसान में कमी आई है। उन्होंने निर्देश दिया कि 100 प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाले क्षेत्रों में निरंतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

प्रमुख सचिव ने सभी फीडरों और वितरण ट्रांसफार्मरों पर 100 प्रतिशत स्मार्ट मीटरिंग हासिल करने की सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता दोहराई। उन्होंने स्मार्ट फीडर और डीटी मीटरिंग परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों से ऊर्जा लेखांकन और भार प्रबंधन में सुधार होगा।

संसद में हाई वॉल्टेज ड्रामा, सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली, 19 दिसंबर । संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच गुरुवार को हाई वॉल्टेज ड्रामा देखने को मिला। बाबा साहेब के अपमान को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच टकराव इस कदर बढ़ गया कि मामला पुलिस स्टेशन तक जा पहुंचा। दोनों पार्टियों ने संसद के बाहर कथित हाथापाई के बाद एक-दूसरे पर मारपीट और दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। भाजपा की तरफ से लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा सांसदों को धक्का मार कर घायल करने की घटना पर साथी सांसदों बांसुरी स्वराज व हेमांग जोशी के साथ संसद मार्ग थाने में राहुल गांधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 109, 115, 117, 125, 131 और 351 के तहत शिकायत दर्ज कराई। अनुराग ठाकुर ने कहा कि अहंकारी राहुल गांधी खुद को क़ानून से ऊपर समझते हैं। अनुराग सिंह ठाकुर ने आरोप लगाया कि जहां एनडीए सांसद शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और राहुल गांधी जी ने उन्हें धक्का देकर घायल कर दिया, जिसके चलते भाजपा के दो सांसद अस्पताल में भर्ती हैं। राहुल गांधी को कानून के उल्लंघन की आदत है। हत्या की कोशिश की धाराओं में शिकायत दी है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस खिसियानी बिल्ली खंभा नोचने वाली मानसिकता में है। राहुल गांधी का यह व्यवहार न केवल गैर-जिम्मेदाराना है। बल्कि संसदीय गरिमा और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाला भी है। मुकेश राजपूत को उस धक्के में सिर के बल गिरे, प्रताप चंद्र सारंगी का सिर फट गया है। शारीरिक हमला और उकसाने का काम राहुल गांधी ने किया है।

संसद परिसर में हम पर हमला किया गया : खरगे-राहुल

नयी दिल्ली, 19 दिसम्बर । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि सत्ता पक्ष के सदस्यों ने संसद भवन परिसर में गृहमंत्री अमित शाह के बयान के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सदस्यों पर हमला किया और यह सरकार का जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। श्री खरगे तथा श्री गांधी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी के सदस्य संसद में 14 दिन से विरोध प्रदर्शन कर प्रयास कर रहे हैं कि सदन चले और देश को लूटने वाले उद्योगपति अडानी के भ्रष्टाचार पर सदन में चर्चा हो लेकिन भाजपा ने इस मुद्दे से ध्यान भटकाने का बराबर प्रयास किया है और आज कांग्रेस

नेताओं के साथ संसद परिसर में धक्का मुक्की की गई। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि 'जितना आप लोग अम्बेडकर अम्बेडकर करते हैं उतना भगवान का नाम लेते तो सात जन्मों के लिए स्वर्ग मिलता।' उनका कहना था कि आज के युग में इस तरह की सोच निंदनीय है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अम्बेडकर को इस तरह से अपमानित करने वाले मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए था लेकिन हम जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसा करने वाले नहीं है इसलिए कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाया और कहा कि श्री शाह ने जो कुछ सदन में कहा है उसके लिए वह माफी मांगे।

खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

"मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।"

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्नीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसिलए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

जब दोस्त ईर्ष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पडने़ वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अत- जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडने़ का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

अनुवादक

कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडने़ में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है। एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल' बनाने और किसी अन्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

10+2 व्याख्याताओं और विद्यार्थियों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। वीरवार को मूवमेंट कल्कि की ओर से एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता का नेतृत्व मूवमेंट कल्कि के सदस्य पवन शर्मा ने किया। इसका उद्देश्य 10+2 लेक्चरर्स की नियुक्तियों में हिंदी और संस्कृत भाषाओं को प्राथमिकता न देने और एबीवीपी के विद्यार्थियों के साथ हुए दुर्व्यवहार को उजागर करना था।

मूवमेंट कल्कि के सदस्यों ने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर में सरकार बदलने के बाद भेदभाव साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। खासकर शिक्षा क्षेत्र में यह भेदभाव स्पष्ट हो रहा है जहां हिंदी, संस्कृत और डोगरी जैसी स्थानीय भाषाओं की अनदेखी की जा रही है। प्रेस वार्ता में मूवमेंट कल्कि के सदस्यों ने एबीवीपी के विद्यार्थियों पर पुलिस लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताते हुए कहा कि महिला विद्यार्थियों और छोटी बच्चियों के साथ मेल पुलिस द्वारा जोर-जबरदस्ती और पिटाई करना पूरी तरह अनुचित और असंवैधानिक है।

मूवमेंट कल्कि के सदस्यों ने सरकार द्वारा हिंदी, संस्कृत, और डोगरी शिक्षकों की नियुक्ति न करने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इंग्लिश और उर्दू में ही नियुक्तियां करने का आदेश सभी वर्गों और भाषाओं के प्रति भेदभावपूर्ण है।

यह कदम न केवल शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करेगा बल्कि क्षेत्रीय भाषाओं और संस्कृतियों का अपमान भी है। मूवमेंट कल्कि ने विद्यार्थियों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और संस्कृत हमारी प्राचीन धरोहर। इन भाषाओं के शिक्षकों की नियुक्ति न होने से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

मोबाइल मेडिकल गश्त के माध्यम से सुदूर गांवों में स्वास्थ्य सेवा पहुंचाई

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय सेना ने मोबाइल मेडिकल गश्त के माध्यम से राजौरी जिले के एकांत गांव गोल में स्वास्थ्य सेवा पहुंचाकर दूरदराज के समुदायों के कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। इस पहल ने स्थानीय आबादी की चिकित्सा आवश्यकताओं को संबोधित किया जिसमें गुज्जर और बक्करवाल समुदाय शामिल हैं, जिन्हें अक्सर क्षेत्र के बीहड़ इलाके और भौगोलिक अलगाव के कारण मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा तक पहुँचने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति से लैस और एक समर्पित टीम द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल गश्त ने बुनियादी स्वास्थ्य मूल्यांकन, सामान्य बीमारियों के लिए उपचार और दवाओं के वितरण जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। इस पहल ने टीकाकरण की पेशकश करके और स्वच्छता, पोषण और बीमारी की रोकथाम के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देकर निवारक स्वास्थ्य सेवा पर भी जोर दिया।

जम्मू में परिवहन नीतियों के खिलाफ ब्लैक ऑटो यूनियन ने किया विरोध प्रदर्शन

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। ब्लैक ऑटो यूनियन ने अपने अध्यक्ष सुनील डिंपल के नेतृत्व में बीसी रोड पर एक विरोध रैली निकाली जो बस स्टैंड से शुरू होकर रेहाड़ी चुंगी और अम्फाला तक चली। सैकड़ों चालकों और ऑटो मालिकों ने इसमें भाग लिया जिन्होंने जम्मू और कश्मीर सरकार की गलत नीतियों के कारण जम्मू में 50 साल पुराने ऑटो और परिवहन उद्योग की गिरती स्थिति के बारे में चिंता जताई।

प्रदर्शनकारियों ने जम्मू-कश्मीर परिवहन आयुक्त, आरटीओ जम्मू और यातायात अधिकारियों की नीतियों की आलोचना की। उनका दावा है कि इन नीतियों के कारण ट्रांसपोर्टरों के बीच भारी ई-चालान, वित्तीय तनाव और भुखमरी की स्थिति पैदा हुई है। डिंपल ने आरोप लगाया कि ई-रिक्शा की शुरूआत और बिक्री ने स्थानीय ऑटो चालकों के लिए समस्याओं को बढ़ा दिया है। कुछ ई-रिक्शा चालकों को बाहरी या आपराधिक गतिविधियों में लिप्त करार दिया है।

रैली को संबोधित करते हुए डिंपल ने जम्मू में ई-रिक्शा की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की और सरकार पर ब्लैक ऑटो चालकों और ट्रांसपोर्टरों की कीमत पर मुनाफा कमाने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो 10,000 ट्रांसपोर्टरों के साथ एक बड़ी रैली निकाली जाएगी। ब्लैक ऑटो इंडस्ट्री के अध्यक्ष संजय सेठी ने आरोप लगाया कि ट्रैफिक पुलिस भारी जुर्माना लगाकर और वाहन मालिकों को ब्लैकमेल करने के लिए निजी मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके ड्राइवरों का शोषण करती है। उन्होंने ई-रिक्शा संचालन के बेहतर नियमन की भी मांग की।

राजौरी के युवाओं को सौर व्यावसायिक प्रशिक्षण से सशक्त बनाया

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। अपने चल रहे ऑपरेशन सद्भावना के हिस्से के रूप में भारतीय सेना राजौरी जिले के थानामंडी में स्थानीय युवाओं के लिए सौर विद्युत व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है। 17 दिसंबर से 28 दिसंबर तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य 21 प्रतिभागियों को सौर ऊर्जा के बढ़ते क्षेत्र में कौशल प्रदान करना, उनकी आत्मनिर्भरता और करियर की संभावनाओं को बढ़ाना है।

नवीकरणीय ऊर्जा को प्रमुखता मिलने के साथ यह कार्यक्रम विकास को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों का समर्थन करने के लिए सेना की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। प्रशिक्षण प्रतिभागियों को सौर ऊर्जा में व्यावहारिक विशेषज्ञता से लैस करता है जो इस क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करता है। प्रतिभागियों ने इस अवसर के लिए आभार व्यक्त किया है और युवाओं पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए इस पहल की व्यापक रूप से सराहना की गई है। उनके प्रयासों और उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए समापन दिवस पर प्रमाण पत्र और उपहार वितरित किए जाएंगे।

स्थानीय युवाओं के लिए वेल्डिंग कैडर कार्यक्रम शुरू किया

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। कौशल विकास और युवा रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय सेना ने पतरारा में वेल्डिंग कैडर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह पहल वेल्डिंग के उच्च-मांग वाले क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने के इच्छुक युवा व्यक्तियों के लिए तैयार की गई है।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त 45-दिवसीय कार्यक्रम, वेल्डिंग तकनीकों, सुरक्षा मानकों और उद्योग प्रथाओं में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करेगा। प्रतिभागी कक्षा सत्रों और व्यावहारिक कार्यशालाओं के माध्यम से एमआईजी, टीआईजी, स्टिक और आर्क वेल्डिंग सहित विभिन्न प्रक्रियाओं को सीखेंगे।

कार्यक्रम में कुल 20 छात्र नामांकित हैं जिन्हें दो अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा निर्देशित किया जाता है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को मूल्यवान कौशल, प्रमाणपत्र और नौकरी के अवसरों से लैस करना है जिससे पेशेवर सफलता का मार्ग सुनिश्चित हो सके। यह कार्यक्रम स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मान्यल, गंगा, अरविंद ने भाजपा मुख्यालय में लगाया जनता दरबार

जम्मू, 19 दिसंबर (हि. स.)। डॉ. देविंदर कुमार मान्यल महासचिव, जम्मू-कश्मीर भाजपा, विधायक चंद्र प्रकाश गंगा, विधायक अरविंद गुप्ता ने भाजपा मुख्यालय त्रिकुटा नगर, जम्मू में जनता दरबार लगाया।

प्रतिनिधिमंडल के रूप में तथा व्यक्तिगत रूप से भी अनेक लोगों ने भाजपा मुख्यालय का दौरा किया तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। साझा किए गए मुद्दों में अधिकतर विकास संबंधी मुद्दे जैसे गलियों एवं नालियों का निर्माण एवं मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत एवं स्थापना, हाई मास्ट लाइटों की मरम्मत, स्वच्छता संबंधी मुद्दे, साथ ही राजस्व विभाग एवं कस्टोडियन विभाग से संबंधित व्यक्तिगत मुद्दे तथा अन्य अनेक मुद्दे शामिल थे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनके समक्ष प्रस्तुत मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुना तथा अपनी ओर से शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अखिल भारतीय अंतर-एनआईटी क्रिकेट चैंपियन के स्वागत में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन

श्रीनगर, 19 दिसंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने गुरुवार को सिलचर असम में खेले गए अखिल भारतीय अंतर-एनआईटी फैकल्टी और स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट में अपनी क्रिकेट टीम की जीत का जश्न मनाने के लिए एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया जिसमें हाई टी भी शामिल थी।

असम में एनआईटी सिलचर द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट का बुधवार को समापन हुआ जहां एनआईटी श्रीनगर ने रोमांचक फाइनल में एनआईटी हमीरपुर को 23 रनों से हराया। इस वर्ष की प्रतियोगिता में भारत भर के 21 एनआईटी ने भाग लिया जिससे श्रीनगर टीम के लिए यह जीत एक उल्लेखनीय उपलब्धि बन गई।

टीम का स्वागत एनआईटी श्रीनगर के प्रभारी निदेशक प्रो. रूही नाज मीर, संस्थान के रजिस्ट्रार प्रो. अतीकुर रहमान, एसएएस अधिकारी सुश्री कौसर अली मीर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया।

इस अवसर पर बोलते हुए एनआईटी श्रीनगर की प्रभारी निदेशक प्रो. रूही नाज़ ने निदेशक एनआईटी श्रीनगर प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया का संदेश दिया जिन्होंने टीम की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। अंतर-एनआईटी क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत एनआईटी श्रीनगर के लिए बहुत गर्व की बात है।

प्रो. कनौजिया ने अपने संदेश में कहा कि यह उपलब्धि न केवल हमारे संस्थान के भीतर खेल प्रतिभा को दर्शाती है बल्कि हमारे संकाय और कर्मचारियों के दृढ़ संकल्प और टीम वर्क को भी दर्शाती है। मैं टीम को इस गति को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। इस तरह की उपलब्धियां संस्थान की प्रतिष्ठा को बढ़ाने और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मान्यल, गंगा, अरविंद ने भाजपा मुख्यालय में लगाया जनता दरबार

जम्मू, 19 दिसंबर (हि. स.)। डॉ. देविंदर कुमार मान्यल महासचिव, जम्मू-कश्मीर भाजपा, विधायक चंद्र प्रकाश गंगा, विधायक अरविंद गुप्ता ने भाजपा मुख्यालय त्रिकुटा नगर, जम्मू में जनता दरबार लगाया।

प्रतिनिधिमंडल के रूप में तथा व्यक्तिगत रूप से भी अनेक लोगों ने भाजपा मुख्यालय का दौरा किया तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। साझा किए गए मुद्दों में अधिकतर विकास संबंधी मुद्दे जैसे गलियों एवं नालियों का निर्माण एवं मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत एवं स्थापना, हाई मास्ट लाइटों की मरम्मत, स्वच्छता संबंधी मुद्दे, साथ ही राजस्व विभाग एवं कस्टोडियन विभाग से संबंधित व्यक्तिगत मुद्दे तथा अन्य अनेक मुद्दे शामिल थे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनके समक्ष प्रस्तुत मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुना तथा अपनी ओर से शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। नेताओं ने तत्काल संबंधित विभागों के अधिकारियों को मुद्दों से अवगत कराया तथा पीड़ितों को राहत प्रदान करने के लिए मुद्दों पर समयबद्ध कार्रवाई करने की वकालत की।

भीमराव अंबेडकर के नाम को लेकर वोट बैंक की राजनीति बंद करें कांग्रेस और भाजपा : बसपा

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। प्रदेश बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने संसद में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर भाजपा तथा कांग्रेस के बीच चले आ रहे गतिरोध को लेकर कहा है कि दोनों ही राजनीतिक दल बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। पार्टी का कहना है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में बाबासाहेब के बारे में जो अपशब्दों का इस्तेमाल किया है उसे वापस लेना चाहिए और उस पर माफी मांगनी चाहिए और साथ ही कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का अपमान करती आई है और कांग्रेस ने संविधान से बाबा साहेब का नाम मिटाने की भी बहुत बार कोशिश की है।

प्रदेश बहुजन समाज पार्टी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन राणा, उप प्रधान चरणजीत चरगोत्रा, प्रदेश कोऑर्डिनेटर गौरव तथा एडवोकेट महासचिव शशि भूषण थापा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की सरकार रही और उस दौरान बाबा साहेब के सम्मान में अनेक पार्क और प्रतिमाएं बनाई गई और उनके नाम पर कई योजनाएं भी शुरू की गई लेकिन जिन प्रदेशों में भाजपा तथा कांग्रेस की सरकार रही वहां पर बाबा साहेब के नाम पर कोई भी काम नहीं हुआ।

यही कारण है कि इन दोनों ही राजनीतिक दलों की बसपा द्वारा किए गए कार्यों से नींद उड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तथा भाजपा बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम पर दलित वर्ग को लुभाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन देश की जनता जानती है कि बहुजन समाज पार्टी ही दलित समाज के लोगों के लिए काम करती रही है।

भारतीय सेना ने भूतपूर्व सैनिकों की रैली आयोजित की

राजौरी, 19 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय सेना ने भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए सोलकी, जिला राजौरी में भूतपूर्व सैनिकों की रैली आयोजित की। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भूतपूर्व सैनिकों के साथ बातचीत और स्पर्श पंजीकरण साथ ही एक शिकायत काउंटर था।

इस कार्यक्रम में 35 से अधिक भूतपूर्व सैनिक एकत्रित हुए और शिकायतों को दूर करने तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। भूतपूर्व सैनिकों के अंशदायी स्वास्थ्य योजना और कैंटीन स्टोर्स विभाग से संबंधित मुद्दों जैसे लाभों तक पहुँचने के बारे में प्रश्नों का समाधान करने और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक सहायता बूथ स्थापित किया गया। भारतीय सेना ने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति उनके बलिदान के लिए आभार व्यक्त किया तथा भारतीय सेना के अटूट समर्थन पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि इस तरह की पहल भारतीय सेना और उसके भूतपूर्व सैनिकों के बीच के बंधन को मजबूत करती है, उनके कल्याण को सुनिश्चित करती है और उनकी विरासत का सम्मान करती है। भूतपूर्व सैनिकों की यह बैठक भारतीय सेना के अपने भूतपूर्व सैनिकों के प्रति समर्पण का प्रमाण थी जिसमें उनके कल्याण के लिए सम्मान, कृतज्ञता और स्थायी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई।

छात्राओं को रक्षा बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। स्थानीय युवाओं को मुख्यधारा में शामिल करने और छात्राओं को रक्षा बलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय सेना ने नौशेरा के सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में ज्वाइन इंडियन आर्मी शीर्षक से एक प्रेरक वार्ता का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य 100 से अधिक छात्राओं और पांच शिक्षकों को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए विभिन्न प्रवेश योजनाओं और योग्यता आवश्यकताओं से परिचित कराकर उन्हें प्रेरित करना था। छात्राएं महिला अधिकारियों की सफलता की कहानियों से मंत्रमुग्ध हो गईं जिससे उन्हें सशस्त्र बलों द्वारा पेश किए जाने वाले साहसिक और संतुष्टिदायक जीवन की एक झलक मिली।

भाजपा डॉ. अंबेडकर का बहुत सम्मान करती है : सेठी

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। कांग्रेस और उसके सहयोगियों को गृह मंत्री के भाषण को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए माफी मांगनी चाहिए

भाजपा कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री के भाषण को जानबूझकर गलत तरीके से पेश करने की कड़ी निंदा करती है। यह तोड़-मरोड़ कर पेश करना जनता, खासकर डॉ. बी.आर. अंबेडकर के अनुयायियों को गुमराह करने और अनावश्यक विवाद पैदा करने का एक स्पष्ट प्रयास है, जिससे राष्ट्र में लोकतांत्रिक विमर्श की भावना को नुकसान पहुंच रहा है। भाजपा यह स्पष्ट रूप से कहती है कि पार्टी डॉ. अंबेडकर का बहुत सम्मान करती है और भारतीय संविधान के निर्माता के प्रति अपने सम्मान के लिए उसे कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल से किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है।जम्मू-कश्मीर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी ने पार्टी प्रवक्ता बलबीर राम रतन और एससी मोर्चा अध्यक्ष नीलम लंगेह के साथ पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर, जम्मू में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL IRRIGATION DIVISION, AKHNOOR/NOWSHERA
Tele/Fax :01924-253998/E-Mail - ifcjmidakhnoor@gmail.com

Notice Inviting Tender

e-NIT No.: - MID/AN/103 Dated: -18/12/2024

For and on behalf of The Hon'ble Lt. Governor of Jammu and Kashmir (UT), Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor/Nowshera invites e-tenders from Approved contractors/ Registered firms / Workshop owners having experience in Electromechanical Works for following jobs: -

S.No.	Name of the work	Quantity	Earnest Money (Rs. in Lacs)	Cost of tender document	Period of Completion	Class of contractor
01.	Repair/Reconditioning of worn-out parts of NRV's, Sluice valves, Dressor couplings and other allied works at LIS Ranjan.	01 Job	02% of the quoted value	Rs.200	15 Days	Registered /Reputed firms /Workshop owners having experience in Electromechanical Works

1. The bidding documents can be seen and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 18/12/2024 (05:00PM) to 28/12/2024 (02:00 PM). Bidding document contains instruction for bidders, bill of quantities, general terms and condition and other details.
a) The Bids shall be uploaded in electronic format on the website http://www.jktenders.gov.in from 19/12/2024 (01:00PM) to 28/12/2024 (02:00 PM).
b) The complete bidding process will be through electronic mode.
c) A pre-bid meeting will be held on 19/12/2024 (11:30 AM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera to address any queries from the firms.
d) Cover-I of the bids uploaded on the website up to due date and time will be opened on 30/12/2024(1:00PM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
e) Furnishing of hard copies of bids immediately after submission of e-Tenders is dispensed with. The same should be
obtained only from the bidders who is declared as L1 after opening of Financial Bids
f) The cost of the tenders should be collected by introducing e-challan by simply uploading a copy of necessary treasury challan/Receipt.
2. Similarly, insisting on actual call deposit receipt, a copy of same duly pledged to the concerned department should be uploaded by the tenderers. However, before allotting the work or issuing the supply order the original CDR should be obtained and kept on record.
3. Other details can be seen in the bidding document.
4.The guidelines regarding submission of bid in electronic mode can be downloaded from website http://www.jktenders.gov.in
5.The bidders shall go through the tender specific instructions sheet also.
6. The bidders for any clarification can contact the department through e-mail ifcjmidakhnoor@gmail.com.

No: - MID/AN/2140-44 Dated: - 18-12-2024

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Akhnoor/Nowshera

DIP/J-803/24
Dtd: 29-5-2024

उपायुक्त ने पुंछ में राशन कार्ड, खाद्य योजनाओं के लिए ईकेवाईसी की प्रगति की समीक्षा की

पुंछ 19 दिसंबर (हि.स.)। पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग की राशन कार्ड और अन्य योजनाओं के ईकेवाईसी की प्रगति की व्यापक समीक्षा की।

एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने सभी योजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट मांगी। सहायक निदेशक एफसीएस और सीए ने विभाग के संचालन का गहन अवलोकन प्रस्तुत किया। मुख्य चर्चा बिंदुओं में स्टॉक की स्थिति, आपूर्ति वितरण, शिकायत निवारण तंत्र आदि शामिल थे।

सहायक निदेशक ने बताया कि जिले में गेहूं, चावल, एलपीजी, पेट्रोल और डीजल सहित आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार है। पहुंच बढ़ाने के लिए, विभाग राशन वितरण के लिए सात स्टोर, 167 उचित मूल्य की दुकानें और 20 सरकारी बिक्री डिपो संचालित करता है। उपायुक्त ने ई-केवाईसी, एनएफएसए, नॉन-एनएफएसए और पीएमएफएसएस योजनाओं की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया, उन्हें गैर-प्राथमिकता वाले घरों, प्राथमिकता वाले घरों और अंत्योदय अन्न योजना में वर्गीकृत किया। उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में तहसील आपूर्ति अधिकारियों के सामने आने वाली चुनौतियों की समीक्षा की। ईकेवाईसी प्रक्रिया की तात्कालिकता पर जोर देते हुए, उपायुक्त ने सभी टीएसओ को चालू सप्ताह के भीतर 100 प्रतिषत लिंकेज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर उचित मूल्य की दुकान के लाइसेंस रद्द किए जा सकते हैं।

उपायुक्त सांबा ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर जागरूकता मेले का उद्घाटन किया

सांबा 19 दिसंबर (हि.स.)। उपायुक्त राजेश शर्मा ने डीसी कॉम्प्लेक्स सांबा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर जागरूकता मेले का उद्घाटन किया।

विद्युत उपमंडल सांबा, ईडी-विजयपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छत पर सौर ऊर्जा संयंत्रों को बढ़ावा देना और स्थानीय निवासियों के बीच योजना के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना था।

उद्घाटन समारोह में अतिरिक्त उपायुक्त जगदीश सिंह, एसीआर, एसडीएम घगवाल, मुख्य योजना अधिकारी सांबा, मुख्य शिक्षा अधिकारी और कार्यकारी अभियंता जेपीडीसीएल विजयपुर के साथ-साथ अन्य जिला अधिकारी और बैंकिंग प्रतिनिधि शामिल हुए।

उपायुक्त ने सभा को संबोधित करते हुए छत पर सौर ऊर्जा संयंत्रों के महत्व पर जोर दिया और योजना के तहत उपलब्ध विभिन्न लाभों पर प्रकाश डाला। उपायुक्त ने आवेदनों की सुविधा में कॉमन सर्विस सेंटर की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया।

कार्यकारी अभियंता, जेपीडीसीएल ईडी-विजयपुर ने योजना के कार्यान्वयन के बारे में जनता के प्रश्नों को हल करते हुए एक संवाद सत्र आयोजित किया। उन्होंने बताया कि किस तरह यह पहल उपभोक्ताओं के मासिक बिजली बिल को कम करने में मदद करेगी और विभिन्न ब्लॉकों में इसी तरह के जागरूकता शिविर आयोजित करने की योजना की घोषणा की।

मेले में जम्मू-कश्मीर बैंक के प्रतिनिधियों और सीएससी संचालकों सहित विभिन्न हितधारकों की भागीदारी देखी गई, जिससे यह सार्वजनिक जुड़ाव के लिए एक व्यापक मंच बन गया।

संपादकीय

कटड़ा रोपवे – हितधारकों की चिंता निपटाएं

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के लिए आधार शिविर पवित्र शहर कटरा इन दिनों विषम परिस्थितियों का सामना कर रहा है, क्योंकि स्थानीय व्यवसायियों, टट्टू संचालकों और पालकी ढोने वालों को आशंका है कि प्रस्तावित रोपवे परियोजना उनकी रोजी-रोटी छीन लेगी। इसके अलावा, प्रस्तावित रोपवे परियोजना के आधार बिंदु स्थान को लेकर भी विवाद है, जिसे हितधारकों ने अनुपयुक्त बताया है। सबसे पहले, प्रस्तावित रोपवे का आरंभ बिंदु कटरा शहर से कुछ दूरी पर है, जबकि इसे शहर से ही आरंभ किया जा सकता था और इस उद्देश्य के लिए सबसे उपयुक्त भूमि पर अतिक्रमण किया जा चुका है। दूसरे, प्रस्तावित स्थल पर परियोजना को क्रियान्वित करने से हरी-भरी पहाड़ी काफी हद तक नष्ट हो जाएगी और इससे पर्यावरण को नुकसान होगा।

इस संदर्भ में, कटरा में पूर्ण बंद का आयोजन किया गया और जो लोग इस विकास परियोजना से प्रभावित होने वाले हैं, उन्होंने विरोध मार्च भी निकाला।

यह उल्लेख करना उचित है कि पिछले महीने, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और अन्य लोगों के लिए मंदिर तक पहुंच को आसान बनाने के लिए रोपवे स्थापित करने का फैसला किया था, जिन्हें गुफा मंदिर तक 13 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर चढ़ने में कठिनाई होती है। लोग इस परियोजना को स्थगित करने की मांग कर रहे हैं, जबकि एलजी प्रशासन ने इस रोपवे परियोजना से प्रभावित होने वाले लोगों के पुनर्वास का आश्वासन दिया है।

हालांकि कई राजनीतिक दलों ने भी इस आंदोलन को अपना समर्थन दिया है, लेकिन देखने वाली बात यह है कि इस तरह की परियोजनाएं समय की मांग हैं, ताकि उन लोगों के लिए पवित्र गुफा मंदिर तक पहुंचना आसान हो सके, जो ऊंची पहाड़ी पर चढ़कर माता वैष्णो देवी के दर्शन नहीं कर सकते। इस परियोजना को बंद करने की मांग पूरी तरह से उचित नहीं है, लेकिन जहां तक श्राइन बोर्ड और एलजी प्रशासन का सवाल है, उन्हें प्रभावित लोगों को मुआवजा देने और पुनर्वास की योजना स्पष्ट रूप से बनानी चाहिए, ताकि किसी तरह की अस्पष्टता की कोई गुंजाइश न रहे। बेशक, यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस तरह से योजना बनाए कि जो लोग आज प्रशासन से झगड़ रहे हैं, वे इसे पसंद करें और बिना किसी देरी के इससे सहमत हों। ऐसे मामलों में तनाव को बढ़ने देना उचित नहीं है, इसलिए सरकार को रोपवे का विरोध कर रहे लोगों के डर को समझना चाहिए और जल्द से जल्द आकर्षक पुनर्वास योजना बनानी चाहिए, क्योंकि विकास को रोकना किसी भी तरह से विवेकपूर्ण कदम नहीं है। समय की मांग है कि इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से और यथाशीघ्र सुलझाया जाए, क्योंकि कई बार ऐसी स्थितियों का दुरुपयोग असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा किया जा सकता है, विशेषकर तब जब घटना जम्मू-कश्मीर में हो, जो अभी भी आतंकवाद के अवशेषों का सामना कर रहा है।

विपक्षी एकता की दरकती दीवार और बाबा साहेब का अपमान

भाजपा और मोदी पर संविधान बदल कर आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाकर पिछले लोकसभा चुनाव में आंशिक सफलता हासिल करने वाले कांग्रेसी नेताओं की कलई भी अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान खोलकर रख दी। उन्होंने तथ्यों के आधार पर समझाया कि किस तरह कांग्रेस सरकारों की वजह से जम्मू और कश्मीर के दलितों और पिछड़ों को आरक्षण के लाभ से वंचित रखा गया। जामिया मिलिया इस्लामिया और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में दलितों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका। अपने भाषण के दौरान अमित शाह ने विस्तार से बताया कि किस तरह दो बार पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आम्बेडकर को चुनाव हराने के लिए पूरी ताकत लगाई। यहां तक कि उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में खुद जाकर प्रचार भी किया। उन्होंने यह भी बताया कि जब तक देश में कांग्रेस की सरकार रही, तब तक बाबा साहब को भारत रत्न नहीं दिया गया।

विकास सक्सेना

संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में चार दिनों तक लम्बी चर्चा चली। राज्यसभा में चर्चा का जवाब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिया। उन्होंने अपने लगभग एक घण्टा 40 मिनट लम्बे भाषण में जिस तरह से तथ्यों और तर्कों को रखा उसने कांग्रेस नेतृत्व को मुंह छिपाना मुश्किल हो रहा था। अमित शाह के भाषण के दौरान राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे लेकिन कोई भी नेता दमदारी से अमित शाह के तर्कों का विरोध नहीं कर सका।

राज्यसभा की कार्यवाही के बाद कांग्रेस नेताओं ने अमित शाह के राज्यसभा में दिए गए भाषण में से 12 सेकेण्ड की विडियो क्लिप निकाल कर हंगामा करना शुरू कर दिया। भाजपा और मोदी विरोधी तंत्र सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गया और यह प्रचारित किया जाने लगा कि अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान बाबा साहेब का अपमान किया है। इसके बाद बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी समेत कई विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हो गए। कांग्रेस के उठाए मुद्दे पर इन दलों की जुगलबंदी के बाद तमाम राजनैतिक विश्लेषक कयास लगाने लगे कि पिछले दिनों विपक्षी एकता में जो दरारें दिख रही थी, वह इस मुद्दे के बाद थम जाएगी। लेकिन बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी एकता कायम होने की उम्मीद जताने से पहले दो बिन्दुओं पर विचार करना अपरिहार्य है। पहला यह कि आखिर ममता बनर्जी, लालू प्रसाद यादव, शरद पवार, अखिलेश यादव और दूसरे क्षेत्रीय दलों के नेता कांग्रेस को पीछे क्यों ढकेलना चाहते हैं। दूसरा, बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी दल कांग्रेस का किस हद तक बचाव कर सकेंगे जबकि ऐतिहासिक तथ्य इस मामले में कांग्रेस को ही कटघरे में खड़ा करते हैं।

दरअसल, राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने जिस आक्रामक अंदाज में कांग्रेस को घेरा, उसने राहुल गांधी के 'संविधान बचाओ' अभियान की पोल खोल कर रख दी। उन्होंने अपने भाषण में ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर सिलसिलेवार तरीके से बताया कि किस तरह कांग्रेस की सरकारों ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी तक के कार्यकाल में निजी और राजनैतिक हित साधने के लिए संविधान में बदलाव किए। उन्होंने पहले संविधान संशोधन का जिक्र करते हुए बताया कि इसके जरिए देश के आम लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी को छीनने का प्रयास किया गया। इसके बाद इंदिरा गांधी ने अदालत से उनके खिलाफ आए एक फैसले के बाद अपनी कुर्सी बचाने के लिए आपातकाल लगा दिया और देश के नागरिकों के मौलिक अधिकार तक छीन लिए। राजीव गांधी ने तो वोटबैंक के लालच में शाहबानो मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले को ही पलट दिया गया। इसके उलट मोदी सरकार ने पिछले दस साल के शासनकाल में संविधान में जो भी संशोधन किए हैं उनका उद्देश्य देश को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक मोर्चे पर मजबूत बनाना रहा है। इसके लिए उन्होंने महिलाओं के आरक्षण देने, पूरे देश में एक समान कर प्रणाली (जीएसटी) लागू करने और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी करने जैसे कई संविधान संशोधनों का जिक्र किया।

भाजपा और मोदी पर संविधान बदल कर आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाकर पिछले लोकसभा चुनाव में आंशिक सफलता हासिल करने वाले कांग्रेसी नेताओं की कलई भी अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान खोलकर रख दी। उन्होंने तथ्यों के आधार पर समझाया कि किस तरह कांग्रेस सरकारों की वजह से जम्मू और कश्मीर के दलितों और पिछड़ों को आरक्षण के लाभ से वंचित रखा गया। जामिया मिलिया इस्लामिया और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में दलितों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका। अपने भाषण के दौरान अमित शाह ने विस्तार से बताया कि किस तरह दो बार पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आम्बेडकर को चुनाव हराने के लिए पूरी ताकत लगाई। यहां तक कि उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में खुद जाकर प्रचार भी किया। उन्होंने यह भी बताया कि जब तक देश में कांग्रेस की सरकार रही, तब तक बाबा साहब को भारत रत्न नहीं दिया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तार्किक आरोपों से बौखलाए कांग्रेसियों ने राज्यसभा में अमित शाह के भाषण से 12 सेकेण्ड की एक वीडियो क्लिप निकाली जिसमें वह कहते हुए दिख रहे हैं 'आजकल एक नया फैशन चला है, आम्बेडकर, आम्बेडकर, आम्बेडकर। इतना नाम यदि भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।' कांग्रेस और उससे जुड़ा प्रचार तंत्र मौके का लाभ उठाने के लिए इस वीडियो क्लिप को बहु प्रसारित (वायरल) करने में जुट गया। भाजपा और मोदी के विरोध में वातावरण तैयार करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाली समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए अमित शाह पर राजनैतिक हमले शुरू कर दिए। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल अपने समर्थकों के साथ सड़कों पर आ गए। इसी तरह अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने भी अमित शाह के बयान की तीखी आलोचना की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तो बाकायदा पत्रकार वार्ता करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की कि अमित शाह को केंद्रीय मंत्रिमण्डल से बर्खास्त किया जाए। बाबा साहब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी नेताओं के हमले झेल रहे अमित शाह भी शाम के समय पत्रकारों के बीच आए लेकिन वे किसी तरह से बचाव की मुद्रा में दिखाई नहीं दिए। कांग्रेस पर 'सत्य को झूठ के कपड़े पहनाकर' लोगों का भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए वहां मौजूद पत्रकारों से उन्होंने एक ही अपील की कि वे उनके पूरे भाषण को लोगों के सामने रखें, इसे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

सोशल मीडिया के इस युग में किसी भी सच्चाई को ज्यादा समय से छिपा कर रख पाना संभव नहीं है। खासतौर पर तब जबकि राज्यसभा में दिया गया भाषण तमाम स्थानों पर सहज रूप से उपलब्ध है। दरअसल, अमित शाह के भाषण की 12 सेकेण्ड की जो वीडियो क्लिप बहु प्रसारित की जा रही है उसके आगे के अंश में वे कह रहे हैं ...डॉ. आम्बेडकर का सौ बार और नाम लो लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि उनके बारे में आपकी भावनाएं क्या हैं, वो ज्यादा जरूरी हैं। मैं आपको बता दूं कि जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार से असहमति के बाद बीआर आम्बेडकर को पहले मंत्रिमण्डल से इस्तीफा देना पड़ा था। आम्बेडकर जी ने कई बार कहा था कि मैं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से हुए व्यवहार से असंतुष्ट हूं। सरकार की विदेश नीति और अनुच्छेद 370 से मैं असहमत हूं। इसलिए वह पद छोड़ना चाहते थे लेकिन उन्हें आश्वासन दिया गया और जब वह पूरा नहीं हुआ तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया।'

ऐसे में जो राजनैतिक विश्लेषक ये अनुमान लगा रहे हैं कि बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी एकता की दरकती दीवार बच जाएगी उन्हें समझना होगा कि अमित शाह के भाषण के इस अंश को सुनने के बाद आम्बेडकर समर्थक समझ जाएंगे कि अमित शाह असल में क्या कह रहे हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस का तनिक भी बचाव कर पाना संभव नहीं है। इसके अलावा लालू प्रसाद यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार और अखिलेश यादव के राहुल गांधी एवं कांग्रेस को निशाने पर लेने की असल वजह मुस्लिम वोटबैंक है जो इन क्षेत्रीय दलों की राजनीति का आधार है। हाल ही में हुए हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखण्ड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव नतीजों से साफ हो चुका है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जो भी बढ़त दिखाई दी थी उसका कारण मुस्लिम वोटों का उसके पाले में जाना था। ऐसे में ये क्षेत्रीय नेता कभी नहीं चाहेंगे कि कांग्रेस उनके इस वोटबैंक में सेंध लगाकर मजबूत हो। इसीलिए इन नेताओं ने राहुल गांधी पर सवाल उठाने शुरू किए हैं। ऐसे में बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर वे कांग्रेस के साथ ज्यादा दूर तक चलेंगे इसकी संभावना नहीं है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

देहरादून के वैद्य वेद प्रकाश गोयल की मधुमेह की दवा हुई पेटेंट

राम प्रताप मिश्र साकेती

उत्तराखंड की जड़ी-बूटियों का दोहन बाहरी राज्यों के लोग ज्यादा कर रहे हैं लेकिन इस प्रदेश के कुछ लोग ऐसे भी हैं जो जड़ी-बूटियों के माध्यम से लोगों को नवजीवन देने का काम कर रहे हैं। ऐसे ही लोगों में एक नाम वेद प्रकाश गोयल का है जिनकी जड़ी-बूटी को सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंस (सीसीआरएएस) द्वारा पेटेंट कर दिया गया है। वेद प्रकाश गोयल उन लोगों से हैं जो घर से ही आयुर्वेदिक दवा बनाकर लोगों को स्वस्थ करने की इच्छा से सेवा करते हुए वर्षों से इस साधना में लगे रहे हैं। आज लगभग 80 वर्ष की उम्र में भी वह आयुष सेवा में जुटे हैं।

आयुर्वेद की दवा का पेटेंट प्राप्त कर चुके वैद्य वेद प्राकश गोयल का कहना है कि लगभग 80 वर्ष की उम्र में भी वे चाहते हैं कि लोग निरोगी रहें। अपना संस्मरण बताते हुए वेदप्रकाश गोयल का कहना है कि उनके माता-पिता की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें लेकिन ऐसा न हो सका। उसी इच्छा को पूरा करने के लिए उन्होंने आयुर्वेदिक ग्रंथों का अध्ययन किया, जड़ी-बूटियों की पहचान कर उनके गुणों को परखा। समय-समय पर पुराने हकीमों, वैद्यों की शरण में जाकर उनके अनुभवों द्वारा रोगियों के उपचार और जड़ी बूटियों के संगठकों को मिलाकर औषधियां तैयार करने का तरीका सीखा। आज भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

वेदप्रकाश गोयल ने पेटेंट प्राप्त करने के लिए 31 मार्च 2017 को आवेदन किया था और उन्हें पेटेंट मिल गया है। आयुर्वेदिक हर्बल फार्मूलेशन (आयुष-डी) फॉर दी मैंनेजमेंट ऑफ डाइबिटीज नामक आविष्कार के लिए पेटेंट अधिनियम 1970 के उपबंधों के अनुसार 20 वर्ष की अवधि के लिए यह पेटेंट प्रदान किया गया है। कंट्रोलर ऑफ पेटेंट ने अनुदान की तिथि 31 अगस्त 2023 दी है। इसे संयोग कहेंगे कि सीसीआरएएस द्वारा इस वर्ष 11 औषधियों का पेटेंट किया गया है जिसमें 7वीं औषधि आयुष-डी जो डाइबिटीज टाइप-2 के मरीजों के लिए स्वीकृत की गई है। आयुष मंत्रालय की रिसर्च संस्था द्वारा इस दवा को स्वीकार्यता दिया जाना वैद्य वेद प्रकाश ही नहीं, उत्तराखंड के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है। इसके लिए विभाग द्वारा वेद प्रकाश गोयल से विधिवत अनुबंध किया गया है। वेद प्रकाश गोयल ने पहले अस्थमा की दवा बनाई थी लेकिन अब शुगर की दवा का पेटेंट मिलने के बाद अपना विशेष प्रभाव जमाना शुरू कर दिया है। पहाड़ी दवा नाम से बनी इस दवा के बारे में वेद प्रकाश गोयल कहते हैं कि 12 से अधिक जड़ी-बूटियों से निर्मित यह दवा मधुमेह से मुक्ति के लिए सफल मानी गई है। आयुर्वेद को बेहतर चिकित्सा बताते हुए वेद प्रकाश गोयल कहते हैं कि जड़ी-बूटियों में इतनी शक्ति है कि वह बड़े से बड़े रोग में लाभकारी है, साथ ही अन्य दवाओं से अधिक किफायती है। इस दवा को बनाने में उन्हें लगभग 16 वर्ष लग गए हैं लेकिन अब यह दवा शोध संस्थान सीसीआरएएस द्वारा भी लाभकारी पाई गई है। डॉ. वेद प्रकाश गोयल मानते हैं कि मधुमेह बीमारी नहीं बल्कि बीमारियों का गुच्छा है, इसमें जांच परीक्षण कराते रहने के साथ-साथ चिकित्सक की सलाह आवश्यक है। तनाव मुक्त रहना, सायंकाल व प्रातःकाल घूमना तथा समय पर आवश्यकतानुसार थोड़ा-थोड़ा जल पीते रहना, मधुमेह के रोगियों के लिए अच्छा माना जाता है। पैर, तलुए और पिंडलियों में दर्द महसूस होने पर दर्द निवारक तेल से मालिश के साथ-साथ ऐसे पदार्थ नहीं खाने चाहिए जो शुगर में अच्छे नहीं माने जाते। इनमें आलू, चावल, मीठे पदार्थ आदि शामिल हैं। नाश्ते में गेहूं का दलिया खाना चाहिए वह भी बिना मीठे के। पनीर व अन्य पौष्टिक आहार का प्रयोग करना चाहिए लेकिन यह पदार्थ शुद्ध शाकाहारी होना चाहिए। गोयल अपनी दवा के बारे में बताते हैं कि उनकी दवा चिकित्सकीय परामर्श के मुताबिक दी जाती है और उसके खाने की एक विधि है। इसके लिए वेद प्रकाश गोयल से पल्टन बाजार में अन्य जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोई बताए कि 'एक देश एक चुनाव' में क्या कमी है

आर.के. सिन्हा

एक देश एक चुनाव के सपने को साकार करने की तरफ देश बढ़ रहा है। लगातार चुनाव देश की प्रगति में बाधा बन रहे हैं। भारत में एक देश-एक चुनाव का विचार ऐसा विषय है जिस पर अलग-अलग लोगों की बंटी हुई राय है।

कुछ लोगों का मानना है कि इससे देश को कई फायदे होंगे, वहीं कुछ लोग इसके कुछ नुकसान भी बताते हैं। पर ये सच है कि बार-बार चुनाव कराने में काफी पैसा खर्च होता है। एक साथ चुनाव कराने से इस खर्च को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। चुनावों में सरकारी कर्मचारियों और सुरक्षा बलों की भारी संख्या में तैनाती करनी पड़ती है। जाहिर है, बार-बार चुनाव होने से कामकाज में बाधा तो आती ही है, संसाधनों का भारी दुरुपयोग भी होता है। एक साथ चुनाव कराने से इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के बाद सरकार एक देश-एक चुनाव की तरफ तेजी से बढ़ रही है। इससे लोकसभा, विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत चुनाव सभी एक साथ होंगे। यह सब 100 दिनों के अंदर संपन्न होगा। सरकार का मानना है कि इससे देश की जीडीपी में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। केंद्र सरकार इस मुद्दे पर आम सहमति बनाना चाहती है। यह मामला किसी एक दल का नहीं बल्कि पूरे देश के हित में है।

यह सबको पता है कि देश में बार-बार चुनाव होने से जनता और सरकारी अधिकारियों का समय और संसाधन बर्बाद होता है। एक साथ चुनाव कराने से यह सब नहीं होगा।

एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार आएगा क्योंकि सरकार को बार-बार चुनावों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इसके साथ ही एक साथ चुनाव होने से प्रशासन पर दबाव कम होगा और वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। तो आप कह सकते हैं कि एक देश, एक चुनाव से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

एक देश, एक चुनाव भाजपा और नरेन्द्र मोदी का पुराना एजेंडा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही मोदी जी इसकी वकालत करते रहे हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में 2 सितंबर 2023 को कोविंद कमिटी बना कर उन्होंने पहला कदम बढ़ाया था।

निश्चित रूप से बार-बार चुनाव होने से सरकारें नई नीतियों और योजनाओं को लागू करने में झिझकती हैं। एक साथ चुनाव होने से सरकारों को स्थिरता मिलती है और वे बेहतर ढंग से काम कर पाती हैं। साथ ही बार-बार चुनाव होने से राजनीतिक दल विकास के मुद्दों से भटक जाते हैं और चुनाव जीतने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक दलों को विकास पर ध्यान केंद्रित करने का अधिक अवसर मिलता है।

एक देश-एक चुनाव के खिलाफ विपक्षियों की तरफ से कुछ कमजोर तर्क दिए जा रहे हैं। जैसे कि राष्ट्रीय चुनाव के साथ रायों के चुनाव होने से क्षेत्रीय दलों को राष्ट्रीय दलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में कठिनाई हो सकती है। कुछ लोगों का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने से लोकतंत्र कमजोर हो सकता है क्योंकि इससे राष्ट्रीय स्तर पर एक ही राजनीतिक दल का दबदबा हो सकता है।

यह सब तर्क कमजोर हैं। दुनिया के कई देशों में अलग-अलग चुनाव व्यवस्थाएं हैं। कुछ देशों में एक साथ चुनाव होते हैं, जबकि कुछ देशों में अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। स्वीडन, बेल्जियम और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव एक साथ कराए जाते हैं। संयुक्त राय अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं।

बहरहाल, एक देश-एक चुनाव से देश के जनमानस में राष्ट्र की अवधारणा सशक्त होगी। भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राय विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आज़ादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राय विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आज़ादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार चुनाव हो रहे थे। उसके बाद साल 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ ही हुए थे। यह सिलसिला पहली बार उस समय टूटा था जब केरल में साल 1957 के चुनाव में ईएमएस नंबूदरीबाद की वामपंथी सरकार बनी। साल 1967 के बाद कुछ रायों की विधानसभा जल्दी भंग हो गई और वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया, इसके अलावा साल 1972 में होनेवाले लोकसभा चुनाव भी समय से पहले कराए गए थे। साल 1967 के चुनाव में कांग्रेस को कई रायों में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे कई रायों में विरोधी दलों या गठबंधन की सरकार बनी थी। इनमें से कई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं और विधानसभा समय से पहले भंग हो गई थी।

यह भी माना जा रहा है कि एक साथ चुनाव होने से मतदाता भागीदारी में वृद्धि हो सकती है क्योंकि लोगों को बार-बार मतदान करने की आवश्यकता नहीं होगी। कुल मिलाकर बात यह है कि एक देश एक चुनाव को दलगत आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। इस पर हर स्तर पर खुल कर और ईमानदारी से चर्चा होनी चाहिए। उसके बाद ही किसी अंतिम निर्णय पर पहुंचा जाना चाहिए। अगर इसे भाजपा या मोदी जी के किसी एजेंडे के रूप में देखा गया तो यह सही नहीं होगा। अभी तक जो विपक्षी नेता एक देश एक चुनाव के विचार का विरोध कर रहे हैं, उन्हें अपने दिल पर हाथ रखकर पूछना चाहिए कि क्या उन्हें बार-बार चुनावी रणभूमि में उतरना पसंद है?

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

रोहित अगर रन नहीं बनाते है तो कप्तानी छोड़ सकते हैः गावस्कर

एजेंसी

ब्रिसबेन। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि आगामी मैचों में अगर कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म जारी रही तो वह कप्तानी छोड़ देंगे। यहां एक खेल चैनल से गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि रोहित को निश्चित रूप से अगले कुछ मैचों में खेलने का मौका मिलेगा, यह पक्का है। लेकिन सीरीज के अंत में अगर वह रन नहीं बना पाए तो मुझे ऐसा लग रहा है कि रोहित कुछ फैसला करेंगे। वह बहुत ही कर्तव्यनिष्ठ क्रिकेटर है, वह टीम पर बोझ नहीं बनना चाहेगा। उन्हें शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों द्वारा सामना किए जाने वाले दबावों की गहरी समझ है।उन्होंने कहा, वह एक ऐसा क्रिकेटर है जो भारतीय क्रिकेट की बहुत परवाह करता है। इसलिए, अगर वह अगले कुछ मैचों में रन नहीं बनाता है, तो मुझे लगता है कि वह खुद ही पद छोड़ देगा। उल्लेखनीय है कि रोहित एडिलेड टेस्ट में भारतीय टीम से जुड़े। इस टेस्ट में उन्होंने 23 गेंदों पर तीन रन और 26 गेंदों पर नौ रन बनाकर आउट हुए। रोहित ने तीसरे टेस्ट में भी मध्यक्रम में ही उतरने का फैसला किया। तीसरे दिन बारिश के कारण रोहित को ज्यादा देर क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं मिला। चौथे दिन मंगलवार को रोहित 10 रन बनाकर आउट हुए थे। रोहित इस साल प्रदर्शन खराब रहा है और उन्होंने इस साल अब तक 24 पारियों में 26.39 के औसत से 607 रन बनाए हैं।

सुरजीत सेकिया ने की शानदार बल्लेबाजी, नार्दर्न रेलवे ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीवीजन में गुरुमन क्रिकेट एकेडमी को 147 रन से हराकर नार्दर्न रेलवे एकेडमी ने बढ़त बना ली। इस मैच में सुरजीत सेकिया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 69 रन बनाये। नार्दर्न रेलवे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर से पहले 32वें ओवर में ही 214 रन बनाकर आउट हो गयी। सलामी बल्लेबाज सुरजीत सेकिया ने 10 चौकों की मदद से 81 बाल पर 69 रन बनाये। वहीं अंजुल मिश्रा ने 12 रन का योगदान दिया, जबकि अभिषेक ने 38 रन और यशवंत ने 32 रन बनाये। ऋषि राज ने 14 रन बनाये। वहीं गुरुमन क्रिकेट एकेडमी मात्र 67 रन बनाकर पवेलियन लौट गयी और नार्दर्न रेलवे ने 147 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में सबसे अधिक फैज आलम ने 24 रन बनाये। वहीं गोल्डी यादव शून्य पर ही पवेलियन लौट गये, जबकि सलामी बल्लेबाज दिव्यांश ने 13 रन का योगदान दिया।

कोहली ने अश्विन के संन्यास के बाद किया भावनात्मक पोस्ट, कहा- साथ में खेले गए सभी पलों की यादें ताजा हो गईं

नई दिल्ली। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के समापन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। शानदार प्रदर्शन करने वाले अश्विन ने 24 की औसत से 537 टेस्ट विकेट लिए और छह शतकों सहित 3,503 रन बनाए। उन्होंने वनडे में 156 और टी20 में 72 विकेट भी लिए। लगभग एक दशक तक घरेलू परिस्थितियों में दबदबा बनाए रखने वाले अश्विन ने कई यादगार प्रदर्शन किए, खासकर पूर्व कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में, जिन्होंने अश्विन के जीवन के अगले अध्याय के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। कोहली ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैंने आपके साथ 14 साल तक खेला है और जब आपने आज मुझे बताया कि आप रिटायर हो रहे हैं, तो मैं थोड़ा भावुक हो गया और साथ में खेले गए उन सभी सालों की यादें मेरे सामने आ गईं। मैंने आपके साथ यात्रा के हर पल का आनंद लिया है, आपका कौशल और भारतीय क्रिकेट में मैच जीतने वाला योगदान बेमिसाल है और आपको हमेशा भारतीय क्रिकेट के दिग्गज के रूप में याद किया जाएगा। आपके जीवन में आपके परिवार और आपके लिए जो कुछ भी सामने आता है, उसके लिए शुभकामनाएं। आपको और आपके करीबी लोगों को बहुत सम्मान और ढेर सारा प्यार। हर चीज के लिए शुक्रिया दोस्त।

अंतर विभागीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंटः इंजीनियरिंग व कमर्शियल विभाग की टीम जीती

मुरादाबाद। मुरादाबाद रेल मंडल के रेलवे स्टेडियम मुरादाबाद में अंतर विभागीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट चतुर्थ दिन भी जारी रहा। आज दो मैचों का आयोजन किया गया। प्रथम मैच एकाउंट्स एवं इंजीनियरिंग टीम तथा द्वितीय मैच मेडिकल एवं कमर्शियल टीम के मध्य आयोजित किया गया। इंजीनियरिंग विभाग की टीम व कमर्शियल विभाग की टीम ने जीत हासिल की। पहले मैच में एकाउंट्स की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर के मैच में 18.4 ओवर खेलते हुए 10 विकेट के नुकसान पर 111 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने पियूष पाठक (मंडल अभियंता प्रथम) की कप्तानी में 10.5 ओवर में 3 विकेट खोकर 114 रन बनाकर मैच में विजय हासिल की। मैन ऑफ द मैच इंजीनियरिंग विभाग की टीम के कप्तान पियूष पाठक (मंडल अभियंता प्रथम) रहे।

अगर आप एचआईएल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो कोई भी आपको भारतीय टीम से बाहर नहीं रख सकता: अफ्फान यूसुफ़

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व स्टार अफ्फान यूसुफ़ 2017 से खुद को साबित करने और राष्ट्रीय टीम में वापसी करने के मौके का इंतजार कर रहे हैं। घरेलू सर्किट में उनके अथक प्रयासों के बावजूद, सफलता नहीं मिल पाई। हालांकि, हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के सात साल के अंतराल के बाद वापस आने से अफ्फान को वापसी की उम्मीद की किरण नजर आ रही है।

अफ्फान ने एचआईएल के पिछले संस्करणों में अपना नाम बनाया, जिसकी शुरुआत 2015 में जेपी पंजाब वारियर्स से हुई और 2016 और 2017 में दबंग मुंबई के लिए चमके। हालांकि, उसी साल बाद में, उन्होंने 2017 सुल्तान अजलान शाह कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए अपना आखिरी मैच खेला, जो एचआईएल के अस्थायी ठहराव के साथ मेल खाता था। जब उनसे पूछा गया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर किए जाने के बाद भी वह कैसे प्रेरित रहे, तो अफ्फान ने बताया, यह मेरा अपना समर्पण था; मैं सिर्फ भारतीय जर्सी पहनकर नौकरी हासिल करने से संतुष्ट नहीं था। आखिरी दिन तक मैं पूरी

लगन के साथ हॉकी खेलना चाहता हूं। मेरे इंडियन ऑयल टीम के कोच दीपक ठाकुर और मैनेजर देवेश चौहान ने मुझे वापसी के लिए खुद को तैयार रखने और सभी को यह दिखाने के लिए प्रेरित किया कि समय आने पर मैं दिखा सकता हूं कि मैं अभी भी जिंदा हूं।इस साल सितंबर में, चौथी हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में अपने नियोक्ताओं के लिए खेलते हुए, अफ्फान ने सात मैचों में तीन गोल किए, जिससे उनकी टीम - पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड को ट्रॉफी जीतने में मदद मिली। इस प्रदर्शन ने अक्टूबर में एचआईएल नीलामी के दौरान चुने जाने के बारे में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। अफ्फान ने कहा, मैं चुस्त-दुरुस्त बने रहने के लिए नियमित रूप से घरेलू हॉकी खेलता रहा। लगातार अटकलें लगाई जा रही थीं कि एचआईएल की वापसी होगी। इसलिए, मैं, तलविंदर और देवेंद्र वाल्मीकि - कुछ ऐसे लोग जो पहले भारतीय सेटअप का हिस्सा थे - ने इस तरह के अवसरों के लिए तैयार रहने के बारे में सोचा था। नीलामी के दौरान, अफ्फान ने कहा, मुझे उम्मीद थी कि सीनियर नेशनल और पिछले टूर्नामेंट में मेरे प्रदर्शन के आधार पर टीमें मुझे चुनेंगी। लेकिन जब नीलामी चल रही थी, तो कुछ खिलाड़ी जिनके बारे में मुझे लगा कि उन्हें चुना जाएगा, वे नहीं बिके, और इससे मुझे संदेह हुआ कि क्या कोई टीम मेरे लिए बोली लगाएगी। जब मेरा नाम पुकारा गया तो मेरी धड़कनें बढ़ गईं, लेकिन शुक्र है कि जब बोली शुरू हुई, तो मुझे राहत की लहर महसूस हुई। श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने एचआईएल नीलामी के दूसरे दिन भोपाल के प्रतिभाशाली मिडफील्डर को 11.5 लाख में खरीदा। अब वह अभिषेक, सुखजीत सिंह, रूपिंदर पाल सिंह, जुगराज सिंह, फ्लोरेंट वैन औबेल और सैम लेन जैसी उल्लेखनीय हॉकी हस्तियों के साथ खेलेंगे।

सीनियर एलिट स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का समापन

एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के गिरी सेंटर स्थित बॉक्सिंग हॉल में 14 से 18 दिसंबर

तक आयोजित हुई चार दिवसीय 5वीं सीनियर एलिट हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का समापन हुआ। इस चैंपियनशिप का आयोजन हरियाणा बॉक्सिंग संघ, क्रीड़ा भारती और एचएयू के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। चैंपियनशिप के बेस्ट बॉक्सर गौरव पुनियानी व बेस्ट प्रमोशिंग प्रीत रहे तथा ओवरऑल ट्रॉफी साईं भिवानी को मिली और रनर अप हिसार रहा। चैंपियनशिप के समापन अवसर पर हकृवि के कुलपति डॉ. बी.आर. कंबोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और विशिष्ट अतिथि के तौर पर ओलंपियन अर्जुन अवॉर्डी डीएसपी जयभगवान मौजूद रहे जिन्होंने विजेताओं को मेडल दिए। इस चैंपियनशिप में पूरे प्रदेश से खिलाड़ियों ने अपना दम-खम दिखाया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि डॉ. बी.आर. कंबोज को शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। श्री कंबोज ने कहा कि खेलों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। विशेष तौर पर युवाओं को अपनी रुचि अनुसार खेलों में जरूर हिस्सा लेना चाहिए।

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान पहले खो-खो विश्व कप के ब्रांड एंबेसडर बने

एजेंसी

नई दिल्ली। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को खो-खो विश्व कप के पहले संस्करण को बढ़ावा देने के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया है। सलमान खान ने पहले खो-खो विश्व कप के लिए अपनी खुशी व्यक्त की और साथ ही खेल के साथ अपने जुड़ाव को याद किया। मेगा स्टार ने राष्ट्रीय राजधानी में विश्व कप की मेजबानी करने की पहल की प्रशंसा की और कहा कि वह इस खेल को दुनिया भर में फैलते हुए देखकर रोमांचित हैं।

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित नेशनल प्लेयर ट्रेनिंग कैम्प में मीडिया के साथ बातचीत के दौरान यह घोषणा की गई। इस दौरान केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, केकेएफआई के महासचिव एमएस त्यागी के साथ-साथ भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ी और कोच उपस्थित थे। सलमान ने एक संदेश में कहा कि मुझे पहली बार आयोजित होने वाले खो-खो विश्व कप 2025 से जुड़ने पर गर्व है। उन्होंने

कहा कि हम सभी ने अपने जीवन में कभी न कभी खो-खो खेला है। यह एक ऐसा खेल है, जिसमें लगातार एक्शन और निरंतर जोश है, जिसने पहले ही वैश्विक ध्यान आकर्षित कर लिया है। आइए हम सब मिलकर वैश्विक मंच पर खो-खो का जश्न मनाएं। केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने सलमान खान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति विश्व कप में और अधिक लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। उन्होंने कहा कि सुपरस्टार सलमान खान ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हमारे प्रिय मिट्टी के खेल को समर्पित किया। खेल के प्रति उनका जुनून वाकई प्रेरणादायक है और हमें पूरा विश्वास है कि वे आगामी विश्व कप में पूरे देश की दिलचस्पी जगाएंगे। हमने खो-खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण को शानदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और हम प्रशंसकों को यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि हमने उनके लिए क्या रखा है। खो खो विश्व कप अगले साल 13 जनवरी से 19 जनवरी के बीच नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। एक हफ्ते तक चलने वाले खो-खो विश्व कप में 21 पुरुष और 20 महिला टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें 24 देश हिस्सा लेंगे और टूर्नामेंट के लिए भारत आएंगे।

रेखा आर्य ने किया बास्केटबॉल कोर्ट का लोकार्पण

एजेंसी

हरिद्वार।उत्तराखंड प्रदेश के खेल ढांचे में तब एक नया आयाम जुड़ गया जब हरिद्वार के रोशनाबाद में खेल मंत्री रेखा आर्या ने नए बास्केटबॉल कोर्ट का लोकार्पण किया। इस मौके पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने तीन प्रशिक्षण शिविरों में शामिल खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट भी बांटी।सबसे पहले श्रीमती आर्या ने रोशनाबाद स्पोर्ट्स स्टेडियम में पूजन हवन करके नवनिर्मित बास्केटबॉल कोर्ट का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह बास्केटबॉल कोर्ट प्रदेश की खेल यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि अन्य खेलों की तरह ही हरिद्वार जल्द बास्केटबॉल खिलाड़ियों की नर्सरी के रूप में भी नाम रोशन करेगा । श्रीमती आर्या ने कहा कि आगामी 28 जनवरी से शुरू हो रहे 38 वें नेशनल गेम्स में हरिद्वार हॉकी, कुश्ती और कबड्डी के रूप मे तीन इवेंट आयोजित कर रहा है और यह धर्मनगरी के लिए गौरव की बात है। बास्केटबॉल कोर्ट के लोकार्पण के बाद श्रीमती आर्या ने रोशनाबाद स्पोर्ट्स स्टेडियम में बन रहे नए 400 मीटर ट्रैक का निरीक्षण किया और इसके काम को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा। श्रीमती आर्या ने करीब डेढ़ घंटे का वक्त खिलाड़ियों से मिलने में

बिताया। रोशनाबाद में चल रहे तीन खेल प्रशिक्षण शिविरों के एक-एक खिलाड़ी से मिलकर उन्होंने उनका हौसला बढ़ाया और आगामी राष्ट्रीय खेल के लिए शुभकामना दी ।मंत्री ने उनसे कहा कि लोकार्पण तो एक औपचारिक कार्यक्रम है, मैं खास तौर से सिर्फ आपसे मुलाकात और बातचीत करने यहां आई हूं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूछा कि उन्हें खाना कैसा मिल रहा है, कोच कैसी तैयारी कर रहे हैं और क्या वे व्यवस्थाओं से संतुष्ट हैं। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेल मंत्री के साथ जमकर सेल्फी ली और फोटोग्राफी कराई। श्रीमती आर्या ने खिलाड़ियों से बातचीत के दौरान कहा कि हम अगले साल प्रदेश का रजत जयंती स्थापना वर्ष मना रहे हैं और इस मौके पर प्रदेश को सबसे बड़ा गिफ्ट आप लोग ज्यादा से ज्यादा मैडल जीत कर दे सकते हैं। उन्होंने से कहा कि आप से बेहतर गिफ्ट उत्तराखंड प्रदेश की 25वीं वर्षगांठ पर कोई और नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि प्रदेश में होने वाले 38 वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों के सलेक्शन में पूरी तरह पारदर्शिता रखने के लिए नई पहल की गई है।

अश्विन के संन्यास पर रोहित ने कहा- उन्हें पर्थ से ही अश्विन के फैसले का अंदाजा था

एजेंसी

ब्रिसबेन। गाबा में बारिश के कारण अटकलों का दौर जारी था। संन्यास की चर्चा हवा में थी और जब आर. अश्विन ने स्पष्ट किया कि वह अंतरराष्ट्रीय खेल से संन्यास ले रहे हैं, तो सभी अटकलें तुरंत खत्म हो गईं।रोहित शर्मा को पर्थ में पहले टेस्ट मैच से ही अश्विन के संन्यास का अंदाजा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल से अश्विन के जाने के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए भारतीय कप्तान ने कहा, कुछ फैसले बहुत निजी होते हैं और मुझे नहीं लगता कि इस बारे में बहुत सारे सवाल पूछे जाने चाहिए। अगर किसी खिलाड़ी के पास कोई विकल्प है, तो उसे वह विकल्प दिया जाना चाहिए और अश्विन जैसे खिलाड़ी, जो इतने सालों से हमारे लिए खेल रहे हैं, उन्हें इस तरह के फैसले लेने की अनुमति है और हमें टीम के साथी के तौर पर इसका

सम्मान करना चाहिए। वह जो करना चाहते थे, उसके बारे में वह बहुत आश्वस्त थे और टीम ने उनकी सोच का पूरा समर्थन किया। अश्विन के फ़ैसले के बारे में बात करते हुए रोहित ने विस्तार से बताया, जब मैं पर्थ आया तो मैंने यह सुना। जाहिर है इसके पीछे कई चीज़ें हैं। मुझे यकीन है कि ऐश इसका जवाब दे पाएगा। लेकिन वह समझता है कि टीम क्या सोच रही है, वह समझता है कि हम किस तरह के संयोजन के बारे में सोच रहे हैं और जब हम यहाँ आए थे तो हमें भी यह नहीं पता था कि कौन सा स्पिनर खेलेगा, हम बस यह आकलन करना चाहते थे कि हमारे सामने किस तरह की परिस्थितियाँ हैं, लेकिन हाँ जब मैं पर्थ पहुँचा, तो हमारी इस तरह की बातचीत हुई। मैंने किसी तरह उसे उस गुलाबी गेंद वाले टेस्ट (एडिलेड में) के लिए रुकने के लिए मना लिया, और उसके बाद, आप जानते हैं, ऐसा हुआ कि उसे लगा कि अगर मेरी ज़रूरत नहीं है तो खेल को अलविदा कहने का सही समय है%। हम सभी को इस समय उसकी सोच के साथ खड़ा होना चाहिए। इस तरह अश्विन, गौतम गंभीर और मैंने इस बारे में बातचीत की। अश्विन से जुड़ी अपनी निजी यादों के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने कहा, मैंने अंडर-17 से ही अश्विन के साथ क्रिकेट खेला है। तब वह ओपनर थे। और फिर कुछ साल बाद, मैं तमिलनाडु से खबर सुन रहा हूँ कि आर. अश्विन पाँच विकेट, सात विकेट ले रहे हैं और मैं सोच रहा था कि यह लड़का कौन है। मैंने उसे बल्लेबाज के तौर पर देखा और फिर अचानक वह एक गेंदबाज बन गया जो पाँच विकेट ले रहा है। फिर जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हम फिर मिले और 2010 से एक साथ एक लंबा सफर तय किया।

ऑल इंडिया जोनल नेशनल कराटे चैंपियनशिप में मप्र अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 11 पदक

एजेंसी

भोपाल। ऑल इंडिया जोनल नेशनल कराटे चैंपियनशिप नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 12 व 13 दिसंबर को आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश राज्य कराटे अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पांच स्वर्ण पांच रजत और एक कांस्य सहित कुल 11 पदक जीते। जनसंपर्क अधिकारी विकास खराडकर ने बताया कि सभी विजेताओं को मध्य प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल मंत्री ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी।

असम के 12 वर्षीय दिशांत बोरठाकुर का मुंबई सिटी एफसी अंडर 13 टीम में चयन

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के निवासी एवं मुंबई में अध्ययनरत 12 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिशांत बोरठाकुर ने भारत के शीर्ष फुटबॉल क्लबों में से एक मुंबई सिटी एफसी की अंडर 13 टीम में जगह बनाई है। दिशांत की इस उपलब्धि परउनके परिजनों के साथ उनके इलाके लोगों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। फुटबॉल के मैदान पर दिशांत बाएं पैर के राइट विंगर के रूप में खेलते हैं, ड्रिब्लिंग, शूटिंग और लंबे पास देने में उत्कृष्ट हैं। उनका तकनीकी गेमप्ले, अविश्वसनीय बॉल सेंस और बॉडी कंट्रोल उन्हें एक बेहतरीन खिलाड़ी बनाता है। दिशांत पिछले दो सालों से सॉकरस्टार्ज़ फुटबॉल क्लब के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं और उन्हें उनके स्कूल के कोच का भी मार्गदर्शन प्राप्त है, जिसने उनकी प्रसिद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दिशांत अब आई-लीग और विभिन्न एमएफए (मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन) मैचों में मुंबई सिटी एफसी का प्रतिनिधित्व करेंगे। बचपन से ही एक उत्साही

एथलीट दिशांत ने 5 साल की उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया था। उनके दृढ़संकल्प, फोकस और उल्लेखनीय कौशल से दिशांत ने क्रिकेट में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, जबकि उनके टेनिस स्ट्रोक ने उन्हें इंटरसिटी टूर्नामेंट में कई पुरस्कार दिलाए हैं। दीशांत वर्तमान में मुंबई के मैनादेवी बजाज इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 7 में अध्ययनरत हैं और वे एक अच्दे पियानोवादक भी हैं। मुंबई के गोरेगांव के सौरव बोरठाकुर और तृष्णा गोस्वामी के सबसे बड़े बेटे दिशांत की जड़ें असम के गीतानगर, गुवाहाटी से जुड़ी हैं। उनके छोटे भाई दिव्यान को भी फुटबॉल का शौक है।

बंगलादेश ने वेस्टइंडीज को 27 रनों से हराया

एजेंसी

सेंट विसेंट। शमीम हुसैन (नाबाद 35), मेहदी हसन मिराज (26) रनों की पारी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बंगलादेश ने दूसरे टी-20 मैच में वेंस्टइंडीज को 27 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही बंगलादेश ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। बंगलादेश के 129 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम बंगलादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 18.3 ओवर में 102 रनों पर ढ़ेर हो गई। वेस्टइंडीज के लिए रॉस्टन चेज ने सर्वाधिक (32) रनों की पारी खेली। अकील हुसैन ने (31) और जॉनसन चार्ल्स ने (14) रन बनाये। वेस्टइंडीज के शेष आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बंगलादेश के लिए तसकीन अहमद ने तीन विकेट लिये। महेदी हसन, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन को दो-दो विकेट मिले। हसन महमूद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। शमीम हुसैन को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने महज 11 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान लिटन कुमार दास (तीन) और तंजिद हसन (दो) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद सौम्य सरकार भी (11) रन आउट होकर पवेलियन लौट गये। मेहदी हसन मिराज और जाकेर अली ने पारी संभालने का प्रयास किया। मेहदी हसन मिराज (26) और जाकेर अली (21) रन बनाकर आउट हुये। शमीम हुसैन ने बंगलादेश के लिए 17 गेंदों में (35) रनों की पारी खेली।

मप्र राज्य घुड़सवारी अकादमी के राजू सिंह ने एशियन चैंपियनशिप में किया क्वालीफाई

एजेंसी

भोपाल । 61वीं कैवलेरी जयपुर में 15 से 18 दिसंबर 2024 तक आयोजित सीसीआई 3 स्टार इवेंटिंग क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी के घुड़सवार राजू सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम और द्वितीय स्थान पर कब्जा जमाया। राजू सिंह ने घोड़े मविलान के साथ 38.8 अंकों के साथ पहला स्थान और मताकाली के साथ 40.6 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल कर राज्य का मान बढ़ाया।

जनसंपर्क अधिकारी विकास खराडकर ने बताया कि राजू सिंह ने एशियन चैंपियनशिप 2025 (थाईलैंड) के लिए पहला क्वालीफाइंग ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। दूसरा क्वालीफाइंग ट्रायल अगले महीने 14 से 17 तारीख तक आर्मी पोलो एंड राइडिंग क्लब, दिल्ली में आयोजित होगा। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने राजू सिंह

को इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि यह राज्य के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने राज्य घुड़सवारी अकादमी के खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों के कठिन परिश्रम और समर्पण की सराहना की। इस प्रतियोगिता में प्रदीप कुमार और कुंभभार महेश के शरायु ने भी क्रमशः तीसरा और चौथा स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बीसीसीआई ने रविचंद्रन अश्विन को उनके शानदार करियर के लिए दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविचंद्रन अश्विन को उनके असाधारण करियर के लिए बधाई दी। ब्रिसबेन के गाबा में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के समापन के बाद इस दिग्गज स्पिनर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।14 साल के अपने शानदार करियर में, अश्विन ने लाल और सफेद गेंद वाले क्रिकेट दोनों में मानक स्थापित किए। 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी20आई का उनका उल्लेखनीय सफर असाधारण कौशल, अथक मेहनत और शोध और खेल की गहन समझ का प्रमाण है।भारतीय क्रिकेट में अश्विन का योगदान असाधारण से कम नहीं है। 537 टेस्ट विकेट, 156 वनडे आउट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 72 विकेट के साथ, वह क्रिकेट इतिहास के सबसे शानदार गेंदबाजों में से एक हैं। उनके रिकॉर्ड में टेस्ट मैचों में 37 बार पांच विकेट लेने का अविश्वसनीय रिकॉर्ड शामिल है, जो खेल के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, साथ ही 8 बार दस विकेट लेने का रिकॉर्ड भी शामिल है। ये उपलब्धियां मैच जीतने वाले प्रदर्शन देने की उनकी क्षमता को दर्शाती हैं। अश्विन के हरफनमौला कौशल ने उन्हें 11 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिलाया, जो खेल के सबसे लंबे प्रारूप में संयुक्त रूप से सबसे अधिक है। सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट में उनकी उपलब्धियाँ भी उतनी ही प्रभावशाली रहीं। 2011 में भारत की विश्व कप विजेता टीम के सदस्य, अश्विन ने 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में भारत की अहम भूमिका निभाई और उन्होंने बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ़ फ़ाइनल के अंतिम ओवर में 15 रन सफलतापूर्वक बचाए। शीर्ष प्रतिद्वंद्वी का लगातार सामना करने से अश्विन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 115 और इंग्लैंड के खिलाफ 114 टेस्ट विकेट लेकर संन्यास लिया। उल्लेखनीय रूप से, उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 115 विकेट लिए, जो प्रतियोगिता के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।अपनी गेंदबाजी की प्रतिभा से परे, अश्विन की बल्लेबाजी ने उन्हें एक अमूल्य ऑलराउंडर बना दिया। उन्होंने छह टेस्ट शतक और 14 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कई बेहतरीन पारियां शामिल हैं। उनके चार शतकों में एक ही मैच में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड शामिल है, जो टीम के लिए उनके विशाल योगदान को दर्शाता है। बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, अश्विन की प्रतिभा पिछले कई वर्षों से भारतीय क्रिकेट की सफलता का आधार रही है। एक विलक्षण प्रतिभा से लेकर क्रिकेट इतिहास के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक बनने तक, उनकी उपलब्धियाँ बहुत गर्व का स्रोत हैं। उन्होंने स्पिन गेंदबाजी को फिर से परिभाषित किया और हमेशा आगे रहने की कोशिश की। अश्विन युवा क्रिकेटरों के लिए एक आदर्श रोल मॉडल हैं। मैं भारतीय क्रिकेट में उनके अमूल्य योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूँ। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, अश्विन की यात्रा समर्पण और जुनून की ऊंचाइयों का प्रमाण है। खेल से आगे सोचने की उनकी क्षमता भारतीय क्रिकेट के लिए एक जबरदस्त संपत्ति रही है। अश्विन में, हमने एक ऐसे गेंदबाज को देखा है जिसने न केवल विकेट लिए बल्कि बल्लेबाजी की रणनीतियों को ध्वस्त कर दिया। खेल के प्रति उनके दृष्टिकोण, उनके असाधारण कौशल ने उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे सम्मानित क्रिकेटरों में से एक बना दिया है। मैं उन्हें उनके शानदार करियर के लिए बधाई देता हूँ।

ईएसआईसी ने अक्टूबर महीने में 17.80 लाख नए सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अक्टूबर में 17.80 लाख नए कर्मचारी जोड़े हैं। ईएसआईसी ने अक्टूबर, 2023 में 17.28 लाख नए सदस्य जोड़े थे। इस तरह पिछले साल की तुलना में ईएसआईसी से जुड़ने वाले नए ग्राहकों के नामांकन में 3 फीसदी की वृद्धि हुई है। ईएसआईसी के अस्थायी पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर, 2024 में 17.80 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए हैं। अक्टूबर, 2023 की तुलना में इसमें तीन फीसदी की वृद्धि हुई है। मंत्रालय के मुताबिक अक्टूबर महीने में 21,588 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। ईएसआईसी के आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर में जोड़े गए 17.80 लाख कर्मचारियों में से 8.50 लाख (47.75 फीसदी) कर्मचारी 25 वर्ष तक के आयु वर्ग के हैं। इसके अलावा अक्टूबर, 2024 में महिला अंशधारकों की संख्या में शुद्ध रूप से 3.52 लाख की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही इस दौरान जोड़े गए कुल 42 'ट्रांसजेंडर' कर्मचारियों को ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत किया गया है, जो समाज के हर वर्ग को इसका लाभ पहुंचाने के लिए ईएसआईसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ईपीएफओ ने उच्च वेतन पर पेंशन के लिए विवरण अपलोड करने की तारीख 31 जनवरी तक बढ़ाई

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने उच्च वेतन पर पेंशन के लिए लंबित आवेदनों को ऑनलाइन मंच पर साझा करने की समय-सीमा को नियोक्ताओं के लिए 31 जनवरी, 2025 तक बढ़ा दी है। ईपीएफओ ने डेडलाइन 3.1 लाख लंबित आवेदनों के संबंध में वेतन विवरण आदि साझा करने (अपलोड) करने के लिए बढ़ाई है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ ने आखिरी बार नियोक्ताओं के लिए 31 जनवरी, 2025 तक की अवधि बढ़ा दी है, ताकि वे उच्च वेतन पर पेंशन योजना के तहत विकल्प या संयुक्त विकल्पों के सत्यापन के लिए उनके पास लंबित करीब 3.1 लाख आवेदनों को अपलोड कर सकें। इसके अलावा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने नियोक्ताओं को अतिरिक्त जानकारी या स्पष्टीकरण पर जवाब देने के लिए 15 जनवरी, 2025 तक का समय दिया है, जिसमें 4.66 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। ईपीएफओ ने उनकी जांच के बाद स्पष्टीकरण मांगा है। ईपीएफओ ने उच्च वेतन पर पेंशन के लिए विकल्पों और संयुक्त विकल्पों का सत्यापन करने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई है।

वन मोबिक्विक सिस्टम्स का शेयर 58 फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ हुआ लिस्ट

मुंबई/नई दिल्ली। ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड ने दलाल स्ट्रीट पर शानदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 279 रुपये से 58 फीसदी से ज्यादा की उछाल के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,435.68 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर वन मोबिक्विक सिस्टम्स का शेयर 58.51 फीसदी की उछाल के साथ 442.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इसके बाद यह 87.81 फीसदी चढ़कर 524 रुपये पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 57.70 फीसदी उछाल के साथ 440 रुपये पर लिस्ट हुआ है। इस तरह लिस्टिंग के साथ वन मोबिक्विक के शेयर आवंटित किए गए निवेशकों ने प्रति शेयर करीब 163.25 रुपये का लाभ कमाया। वन मोबिक्विक आईपीओ लिस्टिंग ग्रे मार्केट की उम्मीदों के अनुरूप है। कंपनी के आईपीओ को बोली के आखिरी दिन 119.38 गुना अभिदान मिला था। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 265-279 रुपये प्रति शेयर तय किया था। कंपनी की योजना इस इश्यू के माध्यम से 572 करोड़ रुपये जुटाने की है। मोबिक्विक के आईपीओ में 572 करोड़ रुपये तक के 20,501,792 शेयरों का एक बिल्कुल नया इश्यू है।

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 31 दिसंबर तक संशोधित आईटीआर करें दाखिल

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में जानकारी देने के लिए एक विशेष अभियान चला रहा है, जिसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में करदाताओं से कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आपके एआईएस और आईटीआर में दर्ज आय के बीच बेमेल के लिए कृपया अपने वार्षिक सूचना विवरण की समीक्षा करें। विभाग ने करदाताओं से आग्रह करते हुए कहा कि कृपया ध्यान दें। 31 दिसंबर, 2024 तक संशोधित या विलंबित आईटीआर दाखिल करें और इस अवसर को न चूकें! उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में सूचित करने के लिए एक अभियान चला रहा है। विभाग आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर करदाताओं और रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल भेजा है।

देश में 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें निर्माणाधीन, 200 वंदे भारत स्लीपर रेक का काम भी भागीदारों को सौंपा: वैष्णव

एजेंसी
नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा को बताया कि वर्तमान में देश में लंबी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि पहला प्रोटोटाइप निर्मित हो चुका है और इसका फील्ड ट्रायल किया जाएगा। रेल मंत्री ने लोकसभा में एक वक्तव्य में कहा कि इसके अलावा 200 वंदे भारत स्लीपर रेक के निर्माण का काम भी प्रौद्योगिकी भागीदारों को सौंपा गया है। ट्रेन के रोलआउट की समय-सीमा परीक्षणों के सफल समापन पर निर्भर है। 2 दिसंबर तक, देश भर में छोटी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए भारतीय रेलवे के ब्रॉड गेज विद्युतीकृत नेटवर्क पर 136 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं चालू हैं।वैष्णव ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि

भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाइयां अप्रैल 2018 से केवल एलएचबी कोच का उत्पादन कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में एलएचबी कोच का उत्पादन लगातार बढ़ा है। 2014-24 के दौरान निर्मित एलएचबी कोच की संख्या 2004-14 के दौरान निर्मित (2,337) संख्या से 16 गुना (36,933) अधिक है। भारतीय रेलवे (आईआर) ने एलएचबी कोचों की भरमार कर दी है जो तकनीकी रूप से बेहतर हैं और इनमें एंटी क्लाइम्बिंग व्यवस्था, विफलता संकेत प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन और कम संक्षारक शेल जैसी विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा कि सुगम्य भारत मिशन (सुलभ भारत अभियान) के हिस्से के रूप में, भारतीय रेलवे दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुगमता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के दिशा-निर्देशों के तहत, रैंप, सुलभ पार्किंग, ब्रेल और स्पर्शनीय संकेत, कम ऊंचाई वाले काउंटर और लिफ्ट व एस्कलेटर जैसी व्यापक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। नवंबर 2024 तक, भारतीय रेलवे ने 399 स्टेशनों पर 1,512 एस्कलेटर और 609 स्टेशनों पर 1,607 लिफ्टें स्थापित की थीं, जो पिछले दशक की तुलना में क्रमशः 9 और 14 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। इसके अलावा, अधिकांश मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों में चौड़े प्रवेश द्वार, सुलभ शौचालय और व्हीलचेयर पार्किंग वाले समर्पित कोच उपलब्ध हैं, जबकि वंदे भारत ट्रेनें दिव्यांगजनों के लिए स्वचालित दरवाजे, निर्धारित स्थान और ब्रेल साइनेज जैसी सुविधाओं के साथ बेहतर सुगमता प्रदान करती हैं।

घरेलू सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख है। आज कारोबार की शुरुआत के समय सोने के भाव में तेजी का रुख बना था और ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोने के भाव में 110 रुपये से 150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई थी। हालांकि दोपहर बारह बजे के बाद सोने के भाव में कमजोरी आ गई। सोने की कीमत में गिरावट से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,990 रुपये से लेकर 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये से लेकर 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज भी 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

बंगाल में निवेश करें, हर संभव मदद करेगी सरकार : ममता बनर्जी

एजेंसी
कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंफोसिस के नए कैंपस के उद्घाटन के दौरान बंगाल को उद्योग और आईटी क्षेत्र के लिए एक आदर्श स्थान बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश करने वालों को सरकार हर संभव मदद प्रदान करेगी। यह कैंपस कोलकाता के न्यू टाउन के हाथीशाला इलाके में लगभग 17 एकड़ जमीन पर बनाया गया है और इससे चार हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन केवल इंफोसिस के लिए नहीं, बल्कि पूरे बंगाल के लिए ऐतिहासिक है। हमारा राज्य अब भारत के प्रमुख आईटी केंद्रों में से एक बन चुका है। हमने अमेरिका की तर्ज पर यहां दो हजार एकड़ जमीन पर सिलिकॉन वैली का निर्माण किया है, जिसमें 27 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और इससे भविष्य में 75 हजार नौकरियां सृजित होंगी। इसके अलावा, राज्य में 22 आईटी पार्क भी बनाए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब हमने सत्ता संभाली थी, तब बंगाल में उद्योग और आईटी के लिए अवसर सीमित थे। लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। बंगाल के युवा न केवल

भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस साल राज्य के 45 हजार से अधिक इंजीनियरों ने आईटी कंपनियों में नौकरी हासिल की है।मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बंगाल में लगातार बढ़ती मांग, निर्बाध बिजली आपूर्ति, उत्कृष्ट कार्य वातावरण और कम उत्पादन लागत जैसे कई लाभ हैं। इसके अलावा, तेज गति वाले इंटरनेट की भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा,राज्य ने बिजली कटौती की समस्या का समाधान कर लिया है। यहां की औद्योगिक संरचना निवेशकों को आकर्षित कर रही है। इसलिए मैं सभी से अपील करती हूं कि वे बंगाल में और अधिक निवेश करें। सरकार हर प्रकार की सहायता प्रदान करेगी। इंफोसिस का यह नया कैंपस न्यू टाउन के हाथीशाला इलाके में स्थापित किया गया है। कंपनी के अनुसार, इस कैंपस से चार हजार से अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। इसे बंगाल में उद्योग और आईटी निवेश के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन की जल्द हो सकती है लॉन्चिंग, ईवी सेगमेंट को मिलेगा बूस्ट

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार जल्दी ही नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को लॉन्च करने का ऐलान कर सकती है। देश की एनर्जी सिक्योरिटी और स्टोरेज को लेकर केंद्र सरकार ने इस स्ट्रैटेजिक मिशन को लॉन्च करने की तैयारी की है?। बताया जा रहा है कि इस मिशन का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है और अब इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाना है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को लांच कर दिया जाएगा। ये मिशन 6 साल की अवधि के लिए शुरू किया जाएगा। इस मिशन की शुरुआत होने से इलेक्ट्रिक व्हेकिल सेगमेंट को जबरदस्त बूस्ट मिलने की उम्मीद की जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से लॉन्च किए जाने वाले नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन के लिए प्राथमिक तौर पर 30 हजार करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इस मिशन के तहत केंद्र सरकार लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे क्रिटिकल मिनरल्स के लिए इंसेंटिव दे सकती है। इसके साथ ही इसमें बैट्री रीसाइकलिंग के लिए भी इंसेंटिव देने का प्रावधान किया जा सकता है। नेशनल मिनरल्स की खोज और माइनिंग को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही इन क्रिटिकल मिनरल्स की प्रोसेसिंग की कैपेसिटी को डेवलप

क्रिटिकल मिनरल मिशन का ऐलान इसी साल बजट में किया गया था। दावा किया जा रहा है कि इस मिशन में भारत के क्रिटिकल मिनरल्स इकोसिस्टम को चौतरफा समाधान (360 डिग्री सॉल्यूशन) उपलब्ध करने की कोशिश की गई है।बताया जा रहा है कि नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन के तहत देश में और दूसरे सहयोगी देशों में लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे क्रिटिकल करने के लिए अलग से इंसेंटिव देने का ऐलान भी किया जा सकता है। इस मिशन के लिए तैयार किए गए ड्राफ्ट में बैट्री रीसाइकलिंग की बात को काफी महत्ता दी गई है। ड्राफ्ट में बताया गया है कि बैटरी में इस्तेमाल किए जाने वाले सभी मिनरल्स की रीसाइकलिंग को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) जैसी कोई स्कीम भी लाई जा सकती है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.45 फीसदी बढ़कर 15.82 लाख करोड़ के पार

एजेंसी
नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अबतक 17 दिसंबर, 2024 तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 16.45 फीसदी बढ़कर 15.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जारी आंकड़ों में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में एक अप्रैल से लेकर 17 दिसंबर, 2024 तक प्रत्यक्ष कर का कुल संग्रह 15,82,584 करोड़ रुपये (15.82 लाख करोड़ रुपये) रहा है। इस दौरान सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 19,21,508 करोड़ रुपये (19.21 लाख करोड़ रुपये) रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के संग्रह की तुलना में 20.32 फीसदी अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान अग्रिम कर संग्रह में सालाना आधार पर 21 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, यह 7.56 लाख करोड़ रुपये हो गया है। सीबीडीटी के अनुसार कुल कर संग्रह में 7.42 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कॉरपोरेट कर और 7.97 लाख करोड़ रुपये का गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह भी शामिल है। आंकड़ों के

मुताबिक इस अवधि में 40,114 करोड़ रुपये का प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) भी एकत्र किया गया। इस अवधि के दौरान 3.39 लाख करोड़ रुपये के कर रिफंड जारी किए गए हैं, जो सालाना आधार पर 42.49 फीसदी अधिक है। गौरतलब है कि प्रत्यक्ष कर संग्रह में कॉरपोरेट कर, व्यक्तिगत आयकर और एसटीटी शामिल होते हैं।

सेनोरेस फार्मा का आईपीओ 20 दिसंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 372-391 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी
मुंबई/नई दिल्ली। औषधि कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 20 दिसंबर को खुलेगा और 24 दिसंबर को बंद होगा। सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 372-391 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 582 करोड़ रुपये जुटाने की है।अहमदाबाद स्थित कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि निवेशक न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 38 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी का ये आईपीओ 500 करोड़ रुपये के नए शेयरों और 82.11 करोड़ रुपये के 21 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस निर्गम में कर्मचारियों

के लिए 75,000 शेयर आरक्षित हैं। कंपनी इस आईपीओ से हासिल राशि का इस्तेमाल अटलांटा सुविधा में 'स्टेराइल इंजेक्शन' के उत्पादन के लिए विनिर्माण सुविधा स्थापित करने में करेगी। इसके साथ ही धनशेष राशि का इस्तेमाल अपने अनुषंगी कंपनियों की कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा एक हिस्सा सामान्य कंपनी कामकाज पर खर्च किया जाएगा। अहमदाबाद स्थित सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड एक वैश्विक शोध संचालित फार्मास्युटिकल कंपनी है। यह कंपनी विभेदित जटिल फार्मास्युटिकल उत्पादों के विकास और निर्माण में लगी हुई है। इसके अलावा कंपनी अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के विनियमित बाजारों और विभिन्न चिकित्सीय क्षेत्रों और खुराक रूपों में उभरते बाजारों के लिए क्क्2क्क सेगमेंट में जेनेरिक फार्मास्युटिकल उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के विकास और निर्माण करती है। कंपनी में प्रमोटरों की हिस्सेदारी 66.67 फीसदी है, जबकि शेष शेयर सार्वजनिक शेयरधारकों के पास हैं।

सीएम योगी के नेतृत्व में सौर ऊर्जा से जगमग हो रहा उत्तर प्रदेश

एजेंसी
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में पीएम सूर्य घर योजना को उत्तर प्रदेश में नए आयाम मिल रहे हैं। केंद्र की योजनाओं को प्रदेश के विकास से जोड़ते हुए योगी सरकार ने यूपी को सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में शीर्ष राज्यों में ला खड़ा किया है। बिजली बचत, आय वृद्धि और हरित ऊर्जा के लक्ष्य को पूरा करने वाली इस योजना से प्रदेश के लाखों घर लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश सरकार की सक्रियता का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश, सोलर रूफटॉप इंस्टालेशन के मामले में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद देशभर में तीसरे स्थान पर है। अब तक प्रदेश में 53 हजार से अधिक सोलर रूफ टॉप पैनल लगाए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 25 लाख सोलर रूफटॉप पैनल

लगाने का है। योजना को जनता तक पहुंचाने में मिली सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 18 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं, जिनमें से 32 हजार से अधिक घरों में पैनल का इंस्टालेशन भी पूरा कर लिया गया है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत सरकार सोलर रूफटॉप लगाने के लिए आकर्षक सब्सिडी प्रदान कर रही है। 1 किलोवॉट क्षमता के पैनल के लिए केंद्र सरकार 30 हजार रुपए और प्रदेश सरकार 15 हजार रुपए की सहायता देती है, यानी कुल 45 हजार रुपए की सब्सिडी। इसी तरह, 2 किलोवॉट के पैनल के लिए केंद्र सरकार द्वारा 60 हजार और योगी सरकार द्वारा 30 हजार, कुल 90 हजार रुपए की सहायता लाभार्थियों को दी जा रही है। वहीं, 3 किलोवॉट या उससे ऊपर के पैनल के लिए केंद्र की ओर से 78 हजार रुपए और राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपए की सब्सिडी मिलाकर 1 लाख 8 हजार रुपए तक की सहायता दी जा रही है। इस योजना का सीधा फायदा उन घरों को मिल रहा है जो बिजली बिल के बोझ से राहत पाना चाहते हैं। सोलर पैनल लगवाने से न केवल बिजली के बिलों में भारी कमी आ रही है, बल्कि लोग अतिरिक्त ऊर्जा का उपयोग करके आय में वृद्धि भी कर रहे हैं। खास बात यह है कि सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण को भी स्वच्छ और हरित बनाया जा रहा है। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में 25 लाख सोलर रूफटॉप पैनल लगाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए प्रदेश के सातों डिस्कॉम और हर जिले के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पिछले 7 वर्षों में भारतमाला परियोजना के तहत 18,714 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण किया गया: गडकरी

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतमाला परियोजना के तहत 31 अक्टूबर तक कुल 26,425 किलोमीटर की लंबाई वाली राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और 18,714 किलोमीटर का निर्माण किया जा चुका है। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2017 में भारतमाला परियोजना को मंजूरी दी थी, जिसके अंतर्गत देश में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए 34,800 किलोमीटर की लंबाई शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतमाला परियोजना के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को राज्यवार निधि का आवंटन नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा, भारतमाला परियोजना के तहत एनएचएआई द्वारा किया गया

कुल व्यय 30.11.2024 तक 4.72 लाख करोड़ रुपये है। अब तक 424 किलोमीटर लंबाई वाली 18 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है और बंदरगाह एवं तटीय संपर्क सड़क श्रेणी के अंतर्गत 189 किलोमीटर का निर्माण किया जा चुका है। भारतमाला योजना के अंतर्गत परिकल्पित विभिन्न परियोजनाएं गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न तटीय राज्यों में विभिन्न प्रमुख व छोटे बंदरगाहों को संपर्क प्रदान कर रही हैं।

सीसीपीए ने उपभोक्ता अधिकार उल्लंघन के लिए 325 नोटिस जारी किये, 1.19 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए 325 नोटिस जारी किए हैं, जिन पर अब तक 1.19 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। वर्मा ने सदन को बताया कि उपभोक्ता मामले का विभाग प्रगतिशील कानून बनाकर उपभोक्ता संरक्षण और उपभोक्ताओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने अपने जवाब में कहा, वैश्वीकरण, प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स बाजार आदि के नए युग में उपभोक्ता संरक्षण को नियंत्रित करने वाले ढांचे को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 को निरस्त कर दिया गया है। इसकी जगह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 को अधिनियमित किया गया है। मंत्री ने कहा कि ई-कॉमर्स में अनुचित व्यापार प्रथाओं से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए उपभोक्ता मामलों के विभाग ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 को भी अधिसूचित किया है।

लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचा, लेकिन पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण शेयर बाजार ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। इसके बाद पूरे दिन सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लाल निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और निफ्टी 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज पूरे दिन के कारोबार के बाद आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। मेटल, एनर्जी और ऑटोमोबाइल सेक्टर में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके अलावा पीएसई, रियल्टी, एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, टेक और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 452.75 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 455.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.38 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,099 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,449 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,554 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 96 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,520 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 719 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1801 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 18.19 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,666.26 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 183.57 अंक की मजबूती के साथ 80,868.02 अंक के स्तर तक पहुंचा। सेंसेक्स की ये मजबूती अधिक देर तक टिक नहीं सकी। पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। इस बिकवाली के कारण सेंसेक्स ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि, बीच-बीच में खरीदारों ने लिवाली करके बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की। इसके बावजूद बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि ये सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा। लगातार हो रही बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 634.38 अंक टूट कर 80,050.07 अंक तक गिर गया। हालांकि, आखिरी आधे घंटे के कारोबार में हुई मामूली लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 130 अंक की रिकवरी करके 502.25 अंक की कमजोरी के साथ 80,182.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

भारतीय तीर्थयात्री कर सकेंगे श्री कटासराज मंदिर के दर्शन, पाकिस्तान उच्चायोग ने जारी किए 84 वीजा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान उच्चायोग ने 84 भारतीय तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किए हैं। ऐसे में तीर्थयात्री पाकिस्तान के पंजाब के चकवाल जिले में स्थित प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल श्री कटासराज मंदिर के दर्शन करने जा सकेंगे। भारतीय तीर्थयात्री 19 से 25 दिसंबर तक पाकिस्तान की यात्रा करेंगे। पाकिस्तान उच्चायोग ने कहा है कि धार्मिक तीर्थस्थलों की यात्रा पर 1974 के भारत-पाकिस्तान प्रोटोकॉल के तहत प्रतिवर्ष भारत से हजारों सिख और हिंदू तीर्थयात्री विभिन्न धार्मिक अवसरों पर पाकिस्तान स्थिति धार्मिक स्थल को जाते हैं। तीर्थयात्रा वीजा जारी करना पाकिस्तान सरकार की धार्मिक तीर्थस्थलों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने और अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप है। इसी के तहत नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने पंजाब के चकवाल जिले में पवित्र श्री कटास राज मंदिरों के दर्शन के लिए भारतीय तीर्थयात्रियों के एक समूह को 84 वीजा जारी किए हैं। पाकिस्तान के प्रभारी साद अहमद वराइच ने तीर्थयात्रियों को आध्यात्मिक संतोषजनक यात्रा की शुभकामनाएं भी दी हैं।

श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन स्थानांतरित नहीं होगा

कोलंबो। श्रीलंका की नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के नेतृत्व वाली नई सरकार ने राष्ट्रपति भवन, टेंपल ट्रीज, प्रधानमंत्री कार्यालय और राष्ट्रपति सचिवालय को श्री जयवर्धनेपुरा स्थानांतरित करने की योजना पर रोक लगा दी है। पिछली सरकार ने इन कार्यालयों के स्थानांतरण की योजना बनाई थी। इसका मकसद था कि वर्तमान इमारतों को कोलंबो हेरिटेज स्क्वायर के रूप में पर्यटन के लिए विकसित किया जा सके। डेली मिरर के अनुसार, पिछली सरकार ने इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 2025 के बजट में धन आवंटन की योजना बनाई थी। शहरी विकास मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इस परियोजना को नई सरकार ने रोक दिया है। हालांकि इनके उपयोग के लिए वैकल्पिक योजना पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। पिछली सरकार ने संसदीय परिसर के करीब मदीवेला में नए राष्ट्रपति भवन के निर्माण की योजना बनाई थी। नई सरकार के एक सूत्र ने कहा कि परियोजना के लिए पहचाने गए भू-भाग का उपयोग पक्षी पार्क के लिए किया जाएगा। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली सरकार ने इसे डाक विभाग के विशेष उपयोग के लिए बनाए रखने का निर्णय लिया। राष्ट्रपति दिसानायके भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पूरी करने के बाद कल द्वीप लौट आए। हवाईअड्डे पर राष्ट्रपति का स्वागत किया गया। यात्रियों और हवाईअड्डे के कर्मचारियों ने उनके साथ सेल्फी ली।

बांग्लादेश में हिंदू महिला नेता और उनके परिवार पर हमला, डर के साए में गुजर रहा वक्त

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति बढ़ते अत्याचारों का एक और भयावह मामला सामने आया है। हिंदू और अवामी लीग की समर्थक मणि कर्मकार ने अपने और अपने परिवार पर हुए हमलों को लेकर न्याय की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया है कि क्या हिंदू होना और अवामी लीग का समर्थन करना अपराध है मणि कर्मकार ने बताया कि उनके परिवार पर हिंसक हमला किया गया जिसमें उनकी मां की उंगली काट दी गई और बहन की गर्दन पर हमला किया गया। मणि ने कहा कि मेरे बच्चों का क्या अपराध है? वे स्कूल में पढ़ते हैं। मेरी मां और बहन को मारने की कोशिश की गई। मैं इस अन्याय का न्याय चाहती हूं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में मणि कर्मकार ने बताया कि वे अवामी लीग के लिए राजनीति करती हैं और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के आदर्शों से प्रेरित हैं। एक ग्रुप द्वारा साझा किए गए पोस्ट में लिखा गया है कि यह हमला राजनीतिक और धार्मिक कारणों से किया गया। पोस्ट में यह भी कहा गया कि यह हमला केवल एक परिवार पर नहीं बल्कि लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था पर हमला है। बांग्लादेश में हाल के दिनों में हिंदू समुदाय पर अत्याचार की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। पांच अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार के कार्यभार संभालने वाले मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में इन घटनाओं में तेजी आई है।

नेपाल की सभी एयरलाइंस पर यूरोप में उड़ान भरने पर प्रतिबंध बरकरार

काठमांडू। यूरोपीय संघ (ईयू) ने सभी नेपाली एयरलाइंस कंपनियों पर अपने हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने के प्रतिबंध को अगले वर्ष भी बरकरार रखा है। ईयू के इस प्रतिबंध के कारण नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन और हिमालय एयरलाइंस जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यूरोप के किसी भी गंतव्य तक उड़ान भरने पर एक वर्ष के लिए रोक लग गई है। ईयू की हवाई सुरक्षा सूची सालाना अपडेट की जाती है। जारी नई सूची में भी नेपाल की सभी एयरलाइंस के उड़ानों पर प्रतिबंध को जारी रखने का निर्णय किया गया है। यूरोपीय संघ की सुरक्षा सूची में नेपाल एयरलाइंस, हिमालय एयरलाइंस, बुद्ध एयर, यति एयरलाइंस और तारा एयर जैसी प्रमुख नेपाली एयरलाइंस के साथ-साथ एयर डायनेस्टी, मनांग एयर और सिमरिक एयर जैसे कई हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियाई रेडियो होस्ट ने यौन शोषण के लिए खुद को निर्दोष कहा

एजेंसी

सिडनी। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई प्रसारक एलन जोन्स ने लगभग दो दशकों में 10 युवकों का यौन शोषण करने के मामले में खुद को निर्दोष बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, 83 वर्षीय जोन्स पर 2001 और 2019 के बीच कथित घटनाओं के संबंध में 34 आरोप हैं, जिसमें गंभीर अभद्र हमले के 11 मामले भी शामिल हैं। रिपोर्टों के अनुसार, जोन्स ऑस्ट्रेलिया की सबसे प्रभावशाली मीडिया हस्तियों में से एक हैं और इसकी राष्ट्रीय रग्बी यूनियन टीम के पूर्व कोच हैं। उन्होंने पहले दुर्व्यवहार के आरोपों से इनकार किया था, जिसे पहली बार 2023 में द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में प्रकाशित किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया कि अदालत में पेश होने के बाद, उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि उन्होंने अपने बयान में उल्लिखित व्यक्तियों के साथ कभी भी अभद्रता नहीं की है। उन्होंने कहा मैं चाहता हूं कि आप इसे समझें कि ये सभी आरोप या तो निराधार हैं या वे सच्चाई को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं और आपको पता होना चाहिए कि मेरी गिरफ्तारी से

पहले पुलिस ने मुझे इनमें से किसी भी आरोप का जवाब देने का कोई अवसर नहीं दिया। जोन्स को 18 नवंबर को उनके सिडनी अपार्टमेंट में हिरासत में ले लिया गया था, जब न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस बाल दुर्व्यवहार दस्ते के जासूसों ने उनकी बंदरगाह के सामने की संपत्ति की तलाशी ली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त किया। रिपोर्ट में कहा गया कि पुलिस ने 17 वर्षीय लड़के सहित आठ व्यक्तियों के खिलाफ अतिरिक्त आरोप दर्ज किए हैं और जांच चल रही है। इसमें कहा गया कि सामान्य हमले के दो आरोपों को छोड़कर सभी आरोप यौन अपराध से जुड़े हुए हैं। पुलिस ने कहा कि कुछ कथित पीड़ित उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते थे और उन्होंने कम से कम एक को नौकरी पर रखा था। एनएसडब्ल्यू पुलिस के माइकल फिट्जगेराल्ड ने पिछले महीने संवाददाताओं से कहा था कि जब अन्य लोग उनसे पहली बार मिले तो उन पर कथित रूप से हमला किया गया।सिडनी की अदालत में अपनी पहली पेशी के बाद जोन्स ने मीडियाकर्मियों से कहा, कानून मानता है कि मैं दोषी नहीं हूं और मैं दोषी नहीं हूं। फिलहाल मैं बस इतना ही कह सकता हूं, लेकिन मैं इस बात पर दृढ़ हूं कि मैं सही समय पर जूरी के समक्ष सभी आरोपों का बचाव करूंगा। एक पूर्व शिक्षक, जोन्स ने रेडियो में अपने करियर की शुरुआत करने से पहले, 1984 और 1988 के बीच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया।

रूसी सेनाओं ने पिछले 24 घंटों में 540 यूक्रेनी सैनिकों का मारा

एजेंसी

मास्को। रूस के पश्चिम जैपड समूह के हमलों में पिछले 24 घंटों में 540 यूक्रेनी सैन्यकर्मी मारे गये है। रूसी रक्षा

मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बयान में कहा, रूसी सशस्त्र बलों ने यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 540 सैन्यकर्मी को मार गिराया है और एक पैदल सेना लड़ाकू वाहन, अमेरिकी निर्मित एक एम113 बख्तरबंद कार्मिक वाहक, एक पोलिश निर्मित रोसोमक बख्तरबंद कार्मिक वाहक तथा दो पिकअप ट्रक नष्ट कर दिए हैं। रूस की त्सेंट्र (केंद्र) समूह की सेनाओं ने यूक्रेन के 11 जवाबी हमलों को विफल किया है, जिसमें 440 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं जबकि युग (दक्षिण) समूह की सेनाओं ने 350 यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया है। इसके अलावा, रूसी सशस्त्र बलों का डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर) में दो बस्तियों, ट्रूडोवॉय (ट्रूडोव) और स्टारी टेर्नी (स्टारी टेर्नी) पर नियंत्रण है।

गोपनीयता नीति' के उल्लंघन को लेकर मस्क, स्पेसएक्स पर जांच शुरू

एजेंसी

वाशिंगटन।अमेरिकी अरबपति एलन मस्क और उनकी कंपनी स्पेसएक्स कथित 'गोपनीयता नीति' के उल्लंघन के कारण अमेरिकी सरकारी एजेंसियों की जांच के दायरे में आ गए हैं। जारी रिपोर्ट के अनुसार रक्षा मंत्रालय के महानिरीक्षक कार्यालय, वायु सेना और पेंटागन के खुफिया एवं सुरक्षा उपमंत्री, रक्षा कार्यालय सहित संघीय एजेंसियों ने स्पेसएक्स तथा उसके मालिक के खिलाफ तीन बार समीक्षा की है। इन

एजेंसियों का आरोप है कि उन्होंने और उनकी कंपनी ने राष्ट हित का ध्यान न रखते हुये, सुरक्षा रिपोर्टिंग नियमों का बार-बार उल्लंघन किया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले घोषणा की थी कि उद्योगपति मस्क और व्यवसायी विवेक रामास्वामी सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करेंगे। इस संबंध में 'एक्स' के मालिक ने कहा था कि नवनिर्मित विभाग का उद्देश्य अमेरिकी रक्षा खर्च की दक्षता बढ़ाना है।

ट्रंप प्रशासन को अगले वर्ष आर्थिक मोर्चे पर करना पड़ सकता है चुनौतियों का सामना

एजेंसी

वाशिंगटन। फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती का संकेत दिए जाने के बाद बाजार में गिरावट का रुख है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्टॉप गैप खर्च बिल की निंदा करने के बाद सरकारी शटडाउन की संभावना बढ़ गई है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के इस विश्लेषण के अनुसार, पांच साल की अनिश्चितता और उथल-पुथल के बाद ऐसा लगता है कि ट्रंप प्रशासन को अगले साल अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक विश्लेषकों की मंदी की चेतावनी के बाद फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती कर रहा है। हालांकि ट्रंप ने चुनाव जीतने के बाद नीतिगत बदलाव करने की बात कही है। उनकी इस घोषणा का

अर्थव्यवस्था पर गहरा और जटिल प्रभाव हो सकता है। ट्रंप ने भारी नए टैरिफ लगाने और संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले लाखों अप्रवासियों को निर्वासित करने का प्रस्ताव दिया है। इसका आर्थिक मोर्चे पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। आलोचक मानते हैं कि इस तरह के बदलावों से आर्थिक प्रणाली संकट से घिर सकती है। रूढ़िवादी थिंक टैंक के रूप में प्रसिद्ध अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के अर्थशास्त्री माइकल स्ट्रेन कहते हैं कि बाजार में व्यापार और आव्रजन नीति के बारे में खामोशी अर्थव्यवस्था के लिए बेहद विघटनकारी हो सकती है। ट्रंप के नए टैरिफ निवेश को हतोत्साहित करते हैं। बड़े पैमाने पर निर्वासन से श्रमिक संकट बढ़ेगा। यदि ऐसा होता है तो अमेरिकियों को बढ़ती कीमतों और धीमी वृद्धि दोनों का सामना करना पड़ सकता है। स्टेन ने कहा कि आयातित वस्तुओं, किराने के सामान, रेस्तरां के भोजन और घरों की कीमत में नाटकीय रूप से वृद्धि होगी। बैंक ऑफ अमेरिका के वरिष्ठ अर्थशास्त्री आदित्य भावे ने कहा, अगर कोई एक चीज है जिसके बारे में आप अभी अर्थव्यवस्था के बारे में चिंतित होना चाहते हैं तो वह श्रम बाजार के बारे में है।

सीरिया में अमेरिकी सेना का मुख्य लक्ष्य आईएस का खात्मा करना

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की सेना का मुख्य लक्ष्य सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस)आतंकवादी समूह (रूस में प्रतिबंधित) का खात्मा करना जारी रखना है। पेंटागन प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने मंगलवार को ब्रीफिंग में कहा, जैसा कि यह सीरिया में अमेरिकी सेना की उपस्थिति से संबंधित है, यह आईएसआईएस मिशन को हराने पर केंद्रित है और इसलिए हमारा ध्यान इसी पर बना हुआ है। सीरिया में सशस्त्र संघर्ष 2011 में राष्ट्रपति बशर असद की सरकार और आतंकवादियों सहित विभिन्न सशस्त्र समूहों के बीच शुरू हुआ था। इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह को 2017 के अंत में पराजित घोषित कर दिया गया था, और दमिश्क ने , मुख्य रूप से देश के उत्तर-पश्चिम में शेष कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए छापे जारी रखे। सीरिया के सशस्त्र विपक्ष ने 8 दिसंबर को दमिश्क पर कब्जा कर लिया। रूसी अधिकारियों ने कहा है कि सीरियाई

संघर्ष में प्रतिभागियों के साथ बातचीत के बाद असद ने राष्ट्रपति पद छोड़ दिया और सीरिया छोड़ कर रूस चले गए, जहां उन्हें शरण दी गई थी। हयात तहरीर अल-शाम और अन्य विपक्षी समूहों द्वारा गठित इदलिब-आधारित प्रशासन चलाने वाले मोहम्मद अल-बशीर को अंतरिम प्रधान मंत्री नामित किया गया था। बाद में उन्होंने घोषणा की कि एक अंतरिम सरकार का गठन हो गया है और यह मार्च 2025 तक बनी रहेगी।

जापान के वाकायामा प्रांत से कैरोस-2 अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण

एजेंसी

टोक्यो। जापान की एक निजी अंतरिक्ष कंपनी के स्पेस वन निर्माता का कैरोस-2 अंतरिक्ष यान का प्रांत वाकायामा में स्पेसपोर्ट कीई निजी प्रक्षेपण स्थल से सफल प्रक्षेपण किया गया। यहां के एक प्रसारण के अनुसार, 59 फुट लंबा और 23 टन वजनी कैरोस अंतरिक्ष यान में पांच छोटे उपग्रह हैं।

जिन्हें प्रक्षेपण के 50 मिनट बाद लगभग 310.6 मील की ऊँचाई पर अलग करके कक्षा में स्थापित किया जाना है। यदि प्रक्षेपण सफल होता है और उपग्रह लक्षित कक्षा में प्रवेश करते हैं, तो यह जापान के इतिहास में पहली बार एक नयी उपलब्धि होगी जो किसी उपग्रह को पूरी तरह से निजी व्यवसाय की ओर से प्रक्षेपित किया गया हो। गौरतलब है कि कैरोस रॉकेट के प्रक्षेपण की प्रक्रिया कई बार असफल रही है। इसका पहला प्रक्षेपण नौ मार्च को होना था, लेकिन अंतिम उल्टी गिनती के बाद रॉकेट हिलने में विफल रहा, 15 मिनट बाद एक और प्रयास किया गया लेकिन फिर से रॉकेट हिलने में विफल रहा,

और प्रक्षेपण 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। 13 मार्च को पुनः प्रक्षेपण के दौरान, रॉकेट उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही हवा में फट गया था लेकिन अब तमाम कोशिशों के बावजूद आखिरकार प्रक्षेपण स्थापित करने में सफल रहा। इस मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष में शोध और विकास के लिए नई तकनीकों का परीक्षण करना है और यह विशेष रूप से छोटे उपग्रहों की कक्षा में भेजने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बांग्लादेश हाई कोर्ट ने उल्फा प्रमुख परेश बरुआ की मौत की सजा आजीवन कारावास में बदली, पूर्व मंत्री बाबर बरी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश हाई कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन उल्फा के प्रमुख परेश बरुआ को आज बड़ी राहत प्रदान की। हाई कोर्ट ने बरुआ की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। साथ ही चट्टोग्राम हथियार तस्करी मामले में पूर्व गृह राज्यमंत्री लुत्फोजामन बाबर और उनके पांच साथियों को बरी कर दिया। यह केस 10 ट्रकों में भरकर भारत विरोधी आतंकवादी संगठनों को भेजे जा रहे हथियारों और गोला-बारूद से जुड़ा हुआ है। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार जस्टिस मुस्तफा जमां इस्लाम और जस्टिस नसरीन अख्तर की पीठ ने यह फैसला सुनाया। पूर्व गृह राज्यमंत्री लुत्फोजामन बाबर और उनके साथियों को निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। वर्ष

2004 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी की सरकार के दौरान हथियारों का यह बड़ा जखीरा जब्त किया गया था। लुत्फोजामन बाबर 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री खालिदा जिया की सरकार में गृह राज्य मंत्री थे। हाई कोर्ट ने यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के सैन्य विंग कमांडर परेश बरुआ की मौत की सजा को आजीवन कारावास और छह दोषियों की मौत की सजा को 10 साल की सजा बदल दिया। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा खुफिया प्रमुख अब्दुर रहीम को मामले से छूट प्रदान कर दी। हाई कोर्ट में राज्य का प्रतिनिधित्व उप अटॉर्नी जनरल सुल्ताना अख्तर रूबी और सहायक अटॉर्नी जनरल मोहम्मद आसिफ इमरान जीसन ने किया। 30 जनवरी, 2014 को, चटगांव मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश एसएम मुजीबुर रहमान ने विशेष अधिकार अधिनियम के तहत 14 लोगों को मौत की सजा सुनाई थी। इन लोगों में जमात-ए-इस्लामी के पूर्व प्रमुख मोतिउर रहमान निजामी, पूर्व गृह राज्यमंत्री बाबर, उल्फा के परेश बरुआ, डीजीएफआई के पूर्व निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) रेज्जाकुल हैदर चौधरी और एनएसआई के पूर्व महानिदेशक अब्दुर रहीम प्रमुख हैं। इन दोषियों में से मोतिउर रहमान निजामी को मानवता के खिलाफ अपराध के लिए 2016 में फांसी दी गई थी।

सऊदी अरब की चेतावनी के बाद पाकिस्तान ने 4300 भिखारियों को नो-फ्लाई लिस्ट में डाला

एजेंसी

इस्लामाबाद। खाड़ी देशों विशेषकर सऊदी अरब द्वारा पाकिस्तान को बेसहारा लोगों को उनके देश आने की अनुमति नहीं देने को लेकर चेतावनी दिए जाने के बाद पाकिस्तान सरकार ने कुछ कड़े फैसले किए हैं। इसके तहत पाक सरकार ने 4300 से अधिक भिखारियों को एग्जिट कंट्रोल लिस्ट (नो फ्लाई लिस्ट) में डाला है। साथ ही, सऊदी अरब को जानकारी दी है कि पाकिस्तान सरकार ने खाड़ी देशों में भिखारियों को भेजने वाले माफिया ग्रुप के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है।

दरअसल, सऊदी अरब और दूसरे खाड़ी देशों ने पाकिस्तान से कहा था कि वो अपने यहां से ऐसे लोगों को ना भेजे, जो धार्मिक यात्रा की वीजा पर आकर भीख मांगते हैं। तीर्थयात्री बनकर सऊदी अरब पहुंचने वाले पाकिस्तानी लोग भीख मांगने लगते हैं और लोगों को परेशान करते हैं। इसी बात को लेकर सऊदी

उन्होंने बताया कि पाक सरकार ने 'भिखारी माफिया' के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए कड़े कदम उठाए हैं। इस बीच सरकार ने 4300 से अधिक भिखारियों को नो-फ्लाई लिस्ट में डाला है।

अरब ने पाकिस्तान के सामने अपनी चिंता जाहिर की और इस प्रकार के धार्मिक वीजा पर प्रतिबंध लगाने की बात कही थी। साथ ही भिखारियों का 'निर्यात' न रुकने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी।

इसी के बाद पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन रजा नकवी ने सऊदी अरब के उप गृह मंत्री नासिर बिन अब्दुलअजीज अल दाउद से बात करते हुए उनकी चिंता पर सजग निर्णय लिए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि पाक सरकार ने 'भिखारी माफिया' के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए कड़े कदम उठाए हैं। इस बीच सरकार ने 4300 से अधिक भिखारियों को नो-फ्लाई लिस्ट में डाला है।एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल के मध्य में पाकिस्तान ने दो हजार लोगों का पासपोर्ट खारिज किया था। पाकिस्तान सरकार की ओर से इन लोगों की पहचान प्रोफेशनल भिखारियों के तौर पर की गई थी, जो विदेशों में जाकर देश की छवि खराब कर रहे थे।

रूस ने बनाई कैंसर की वैक्सीन, नये साल में लॉन्च होगा टीका

मास्को। रूस ने कैंसर की वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि नए साल में कैंसर के खिलाफ यह टीका बनकर तैयार होगा। 2025 की शुरुआत से यह टीका मरीजों के लिए मुफ्त में उपलब्ध होगा। रूस की सरकारी स्वामित्व वाली समाचार एजेंसी TASS के अनुसार, रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च

सेंटर के जनरल डायरेक्टर एंड्री काप्रिन ने कहा कि कैंसर के खिलाफ रूस ने अपनी mRNA वैक्सीन को विकसित कर लिया है। क्लिनिकल ट्रायल के बाद यह पता चला है कि कैंसर की वैक्सीन ट्यूमर को विकसित होने से रोकने में मदद करती है। टीके का शॉट 2025 की शुरुआत से लॉन्च होगा।उल्लेखनीय है कि हर साल कैंसर की वजह से दुनिया में लाखों लोगों की जान जाती है। ऐसे में रूस की इस कैंसर वैक्सीन ने इस बीमारी के पीड़ितों को नई उम्मीद दी है। रूस की इस उपलब्धी को सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है।

यूक्रेन की सैन्य शक्ति को और बढ़ाएगा ब्रिटेन, नए सहायता पैकेज का ऐलान

एजेंसी

कीव । ब्रिटेन एक नए सहायता पैकेज के साथ यूक्रेन की सैन्य शक्ति बढ़ाने को तैयार है। एक नए सहायता पैकेज का ऐलान किया गया है। जिसमें नेवल ड्रोन, वायु रक्षा प्रणाली और तोपखाना शामिल हैं। ब्रिटिश रक्षा सचिव जॉन हेली ने यह जानकारी दी। ब्रिटेन के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सैन्य अभियान ऑपरेशन इंटरफ्लेक्स के तहत यूक्रेनी सैनिकों के लिए प्रशिक्षण 2025 में भी जारी रहेगा, चाहे यूक्रेन की शांति प्रक्रिया में कोई भी प्रगति हो या संभावित युद्ध विराम हो। यूक्रेनी राज्य उक्रिनफॉर्म समाचार एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार में हेली ने ये बातें कही। हेली ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण का आदेश दिए जाने के तीन साल बाद उनकी गलतफहमियों की गहराई पहले से कहीं अधिक स्पष्ट है, क्योंकि यूक्रेन के बहादुर लोग अपनी अटूट भावना के साथ सभी उम्मीदों को धता बताते रहते हैं। लेकिन वह अकेले नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि कीव के लिए ब्रिटेन का समर्थन अडिग है और ब्रिटेन हमेशा पुतिन के खिलाफ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। जुलाई में नई लेबर सरकार ने 2030-2031 तक यूक्रेन को प्रति वर्ष 3 बिलियन पाउंड की सैन्य सहायता देने का वादा किया था। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नए पैकेज में यूक्रेन की नौसेना को मजबूत करने के लिए उपकरणों के लिए 92 मिलियन पाउंड शामिल होंगे, जिसमें छोटी नावें, टोही ड्रोन और बिना चालक वाले सतह के जहाज शामिल हैं। समाचार एजेंसी कि मुताबिक उन्होंने कहा कि यूक्रेन में एक अंतरराष्ट्रीय शांति सेना की तैनाती के लिए ब्रिटिश सहयोग की संभावना पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करना जल्दबाजी होगी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि हेली पहले कीव पहुंचे और उसी दिन यूक्रेनी रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने फेसबुक पर लिखा कि उन्होंने यूक्रेन की वायु रक्षा को मजबूत करने, तोपखाने के गोला-बारूद की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने और संयुक्त रक्षा परियोजनाओं की खोज के बारे में हेली से बात की थी। उन्होंने कहा कि स्टॉर्म शैडो मिसाइलों के उपयोग और यूक्रेनी सेना के नए ब्रिगेडों को और प्रशिक्षण देने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा 68 मिलियन पाउंड का इस्तेमाल रडार समेत वायु रक्षा उपकरणों के लिए किया जाएगा और 39 मिलियन पाउंड की लागत से 1 हजार काउंटर-ड्रोन इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली यूक्रेनी सेना को आपूर्ति की जाएगी। हेली ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेनी सैनिकों के लिए ब्रिटिश धरती पर प्रमुख सहयोगियों के साथ चलाए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी बढ़ावा देगा, जिसे ऑपरेशन इंटरफ्लेक्स के नाम से जाना जाता है, जिसके तहत 2022 के मध्य से 51 हजार रंगरूटों को प्रशिक्षित किया गया।उमेरोव ने ब्रिटेन को उसके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि विशेष रूप से तोपखाने के लिए गोला-बारूद की स्थिर आपूर्ति हमारे रक्षा प्रयासों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डोगरी संस्था जम्मू द्वारा डोगरी मानता दिन मनाया गया

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। डोगरी संस्था, जम्मू ने कुंवर वियोगी ऑडिटोरियम, डोगरी भवन, कर्ण नगर जम्मू में आयोजित एक सादे लेकिन प्रभावशाली समारोह में 'डोगरी मानता दिन मनाया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जम्मू-कश्मीर सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त सचिव संजीव वर्मा (आईएएस) उपस्थित थे।

इस अवसर पर मातृभाषा डोगरी और डुग्गर प्रदेश की सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले साहित्यकारों और कलाकारों को वर्ष 2023-24 के दौरान साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेताओं के साथ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मानित की जाने वाली प्रमुख हस्तियों में सुमन शर्मा, दर्शन दर्शी और शिव दोबलिया (सभी साहित्य के लिए), पं. नारायण प्रसाद (शास्त्रीय नृत्य), सुमन गुप्ता (पेंटिंग), माधवी शर्मा (मीडिया), अनिल टिक्कू (रंगमंच) शामिल थे।

साहित्य अकादमी के मुख्य पुरस्कार के लिए विजय वर्मा, बाल साहित्य पुरस्कार के लिए बिशन सिंह दर्दी, अनुवाद पुरस्कार के लिए डॉ. सुषमा रानी और हीना चौधरी को युवा पुरस्कार के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। प्रोमिला मन्हास ने डोगरी साहित्यकारों और कलाकारों के पक्ष में प्रशंसा पत्र पढ़े जबकि राजेश्वर सिंह राजू ने साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेताओं के पक्ष में प्रशंसा पत्र पढ़े।

इससे पहले प्रो. ललित मगोत्रा प्रधान डोगरी संस्था जम्मू ने मुख्य अतिथि, पुरस्कार तथा सम्मान प्राप्त करने वालों और अन्य सभी उपस्थित सम्मानित व्यक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि डोगरी संस्था जम्मू एक अग्रणी साहित्यिक संगठन है जो 1944 में अपने गठन के बाद से हमेशा मातृभाषा डोगरी के संरक्षण और प्रचार के लिए एक मजबूत आवाज के रूप में काम कर रही है। उन्होंने मातृभाषा डोगरी को भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए दशकों के संघर्ष को याद किया और कहा कि इससे निस्संदेह संस्थाओं के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी अधिक जिम्मेदारी आई है क्योंकि अपने अस्तित्व के लिए काम करना हमारा साझा उद्देश्य है।

इस दिन को पूरे क्षेत्र में डोगरी मान्ता दिन के रूप में मनाया जाता है। इसे पूरे देश और यहां तक कि विदेशों में भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जाना चाहिए जहां-जहां भी डोगरे रहते हैं ताकि हमारी जड़ों के प्रति जुड़ाव की भावना हमें अपनी मातृभाषा के प्रचार-प्रसार में योगदान देने के लिए प्रेरित करे। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में जब दुनिया भर में मातृभाषाएं अस्तित्व के लिए संकट का सामना कर रही हैं नई शिक्षा नीति (एनईपी) मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने के लिए एक रचनात्मक कदम है जिससे इसके अस्तित्व को बचाने और मातृभाषा के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने में मदद मिलेगी।

मुख्य अतिथि संजीव वर्मा (आईएएस) ने समारोह में सभी को संबोधित करते हुए कहा कि डोगरी संस्था मातृभाषा डोगरी और क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में सराहनीय प्रयास कर रही है। हमें यह महसूस करना होगा कि हमारी मातृभाषा और सांस्कृतिक परंपराएं एक समुदाय के रूप में हमारे अस्तित्व का आधार हैं और हमें इसे संरक्षित करना होगा-किसी भी कीमत पर। हम गर्वित डोगरा हैं और हमें अपनी भाषा के साथ-साथ परंपराओं पर भी गर्व महसूस करना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी समय की आवश्यकता को समझेंगे और साझा उद्देश्य के लिए योगदान देंगे।

उनके भाषण का मुख्य आकर्षण प्राचीन वैदिक भाषा और शास्त्रीय डोगरी भाषा के बीच घनिष्ठ संबंध पर दिया गया ज़ोर था। उनका दृढ़ मत था कि डोगरी वैदिक भाषा के सबसे करीब है। उन्होंने डोगरी और वैदिक भाषा के बीच समानता के कई उदाहरण पेश करके अपने विचारों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हर डोगरा को इस महान विरासत पर गर्व होना चाहिए और इस दिशा में आगे शोध कार्य किया जाना चाहिए।

पवन वर्मा द्वारा संचालित कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। समारोह का समापन डोगरी संस्था जम्मू के महामंत्री राजेश्वर सिंह 'राजू' के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

22 दिसंबर को जम्मू में होगा ऐतिहासिक डोगरा लिगेसी एक्सीलेंस अवार्ड-2024 का आयोजन

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। शहर के इतिहास में पहली बार विभिन्न क्षेत्रों के पचास से अधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भव्य डोगरा लिगेसी एक्सीलेंस अवार्ड-2024 समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 22 दिसंबर को जम्मू के प्रतिष्ठित अभिनव थिएटर में आयोजित किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए नानाजी देशमुख लाइब्रेरी एंड डॉक्यूमेंटेशन डिपार्टमेंट के प्रभारी प्रो. (डॉ.) कुलभूषण मोहत्रा ने पीके फिल्म्स के निदेशक पवन शर्मा और कार्यक्रम समन्वयक संजीव वैद के साथ कार्यक्रम के बारे में जानकारी साझा की।

प्रो. मोहत्रा ने विस्तार से बताया कि परमेश्वरी केयर एंड क्योर चैरिटेबल ट्रस्ट और पीकेएस फिल्म्स द्वारा जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी के सहयोग से आयोजित पुरस्कारों का उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना है जिन्होंने डोगरा संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इनमें से कई व्यक्तियों ने अपना जीवन डोगरा के लिए समर्पित कर दिया है लेकिन वे सुर्खियों से दूर रहे हैं। उन्होंने कहा हमने उनके योगदान को पहचानने और मान्यता देने के लिए विशेष प्रयास किया है। शाम को जम्मू के विभिन्न जिलों के डोगरा कलाकारों द्वारा जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शन भी प्रस्तुत किए जाएंगे जो क्षेत्र की समृद्ध कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करेंगे। समारोह को पूरा करने के लिए समारोह के बाद उपस्थित लोगों को प्रामाणिक डोगरा व्यंजन परोसे जाएंगे। जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा समारोह की अध्यक्षता करेंगे जबकि केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि बनने के लिए सहमति व्यक्त की है।

गृह मंत्री के भाषण को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण को जानबूझकर तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया हो। भाजपा नेताओं ने विपक्ष पर जनता, खासकर डॉ. बी.आर. अंबेडकर के अनुयायियों को गुमराह करने और संसद में अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए अनावश्यक विवाद पैदा करने का आरोप लगाया। जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी ने पार्टी प्रवक्ता बलबीर राम रतन और एससी मोर्चा अध्यक्ष नीलम लंगेह के साथ कांग्रेस की अंबेडकर विरोधी, दलित विरोधी मानसिकता की आलोचना की। सेठी ने कहा गृह मंत्री के भाषण के चुनिंदा हिस्से को जानबूझकर तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है ताकि संसद में जनता की चिंताओं को संबोधित करने में कांग्रेस की अक्षमता से ध्यान हटाया जा सके।

स्ट्रॉबेरी की उन्नत खेती एवम् फसल की देखभाल

– भूपेंद्र सिंह (संकलन-चंद्र मोहन शर्मा)

स्ट्रॉबेरी का वानस्पतिक नाम फ्रेगेरिया अननासा है। यह रोजेसी कुल का सदस्य है। इसका पौधा शाकीय, छोटा, कोमल तथा बहुवर्षीय होता है। इसका तना नाममात्र का तथा पूर्ण विकसित त्रिपत्री पत्तियां होती हैं । यह दो अन्य प्रजातियों (फ्रेगेरिया चिलयोनसिस एवं फ्रेगेरिया बरजीनियाना) के प्राकृतिक संकरण से विकसित किया गया है। स्ट्रॉबेरी के फल बडे लुभावने, रसीले एवं पौष्टिक होते हैं। ये मध्यम आकार (10 से 15 ग्राम), चित्ताकर्षक, सुवासयुक्त और सिंदूरी रंग लिए हुए बहुत ही नरम होते हैं।

इनका खाने योग्य भाग लगभग 98 प्रतिशत होता है। इन फलों में विटामिन- सी तथा लौह तत्व प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। यह अपने विशेष स्वाद एवं रंग के साथ-साथ औषधीय गुणों के कारण भी एक महत्वपूर्ण फल है। इसका उपयोग कई मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे आईसक्रीम, जैम, जैली, कैंडी, केक इत्यादि बनाने के लिए भी किया जाता है। इसकी खेती अन्य फल वाली फसलों की तुलना में कम समय में ज्यादा मुनाफा दिला सकती है। यह अल्प अवधि (4 से 5 महीने) में ही फलत देने वाली फसल है।

भारत में कुछ वर्षों पूर्व तक स्ट्रॉबेरी की खेती केवल पहाड़ी क्षेत्रों जैसे उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी, महाराष्ट्र, कालिम्पोंग इत्यादि जगहों तक ही सीमित थी। वर्तमान में नई उन्नत प्रजातियों के विकास से इसको उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा रहा है। इसके कारण यह मैदानी भागों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार आदि राज्यों में अपनी अच्छी पहचान बना चुकी है।

तकनीकी जानकारी के अभाव में किसान भाई इसकी खेती करने में अपने आपको असहज महसूस करते हैं। जबकि यदि स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक तकनीक से खेती की जाये, तो इसकी फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। अत: इस लेख में स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया है। इससे किसान भाई उच्च उत्पादन व गुणवत्ता वाले फल प्राप्त करके अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं।

उपयुक्त जलवायु

स्ट्रॉबेरी शीतोष्ण जलवायु की फसल है, परंतु उन्नत किस्मों के विकास से इसको अब समशीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यह कम प्रकाश अवधि (शॉर्ट डे) वाला पौधा है। इसमें पुष्पन प्रारंभ होने के लिए लगभग 10 दिनों तक 8 घंटे से कम प्रकाश अवधि की जरूरत होती है। पौधों की अच्छी बढ़वार के लिए दिन का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान । से 13 डिग्री सेल्सियस उपयुक्त माना गया है। इसके फूलों व नाजुक फलों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक (लो टनल टैक्नीक) का प्रयोग किया जा सकता है।

भूमि का चयन

स्ट्रॉबेरी की खेती लगभग सभी प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है। अधिक तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन के लिए अच्छे जल निकास वाली, जीवाशयुक्त, हल्की बलुई दोमट मृदा, जिसका पी एच मान 5.5 से 6.5 के मध्य हो, उपयुक्त रहती है। मृदा में कैल्शियम की अधिक मात्रा से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। क्षारीय एवं सूत्रकृमि ग्रसित भूमि भी स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपयुक्त नहीं रहती है।

स्ट्रॉबेरी के व्यावसायिक उत्पादन के लिए जमीन की सतह से लगभग 25 से 30 सेंटीमीटर ऊंची उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बैड) बनाएं। क्यारियों की चौड़ाई 100 से 120 सेंटीमीटर तथा लंबाई खेत की स्थिति के अनुसार रखी जा सकती है। क्यारियों की देखभाल तथा विभिन्न कार्य करने के लिए दो क्यारियों के बीच में 40 से 50 सेंटीमीटर चौड़ा खाली स्थान (रास्ता) रखा जाता है। उठी हुई क्यारियां बनाने से अधिक जल आसानी से बाहर निकल जाता है। इससे रोगों का प्रकोप कम होता है। साथ ही टपक सिंचाई यंत्र स्थापित करने में भी आसानी रहती है।

अत: हमेशा मृदा जांच के उपरांत ही खाद एवं उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। सामान्यत: खेत तैयार करते समय 10 से 12 टन कम्पोस्ट खाद, 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 30 किलोग्राम फॉस्फोरस व 25 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ की दर से डालनी चाहिए। इसमें फर्टिगेशन के रूप में एन पी के 19:19:19 की 25 ग्राम मात्रा प्रति वर्गमीटर की दर से सम्पूर्ण फसल चक्र में देनी चाहिए। यह मात्रा 15 दिनों के अंतराल पर 4 से 5 भागों में बांटकर देनी चाहिए। स्ट्रॉबेरी में सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव भी उत्पादन बढ़ाने में सहायक होता है

करता है । इसके पौधे की जड़े जमीन में ज्यादा गहराई तक नहीं जातीं है। यह सतह पर ही फैलने वाला पौधा होता है। अत: इसमें कम समय के अंतराल पर नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई पौध रोपण के तुरंत पश्चात कर देनी चाहिए। उसके बाद 2 से 3 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहें।

सिंचाई के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली उत्तम रहती है। इस पद्धति द्वारा पौधों को उनकी आवश्यकता अनुसार पानी को बूंद-बूंद के रूप में जड़ क्षेत्र में उपलब्ध कराया जाता है। इस प्रणाली में प्लास्टिक लाइनों द्वारा पानी पौधों की जड़ों में सीधा तथा समान रूप से पहुंचाया जा सकता है। इसके साथ ही कम पानी का प्रयोग करके अधिकतम पैदावार ली जा सकती है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली में जल के साथ-साथ उर्वरक, कीटनाशक व अन्य घुलनशील रासायनिक तत्वों को भी सीधे पौधों तक पहुंचाया जा सकता है। जब पानी के साथ-साथ पोषक तत्व भी पौधों को उपलब्ध कराए जाते हैं, तो उसे फर्टिगेशन (फर्टिलाइजर+ इरीगेशन) के नाम से जाना जाता है। फर्टिगेशन में पूर्णत: घुलनशील या तरल उर्वरक का ही प्रयोग किया जा सकता है।

पाले या सर्दी से बचाव के लिए निम्न सुरंग (लो-टनल) तकनीक का प्रयोग करना लाभप्रद होता है। शरद ऋतु (दिसंबर से जनवरी) में तापमान में काफी गिरावट आ जाती है। इस समय खेत में स्ट्रॉबेरी के पौधों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक का उपयोग काफी फायदेमंद हो सकता है। इससे विपरीत ठंडे मौसम में भी अच्छा उत्पादन लिया जा सकता है। लो-टनल एक कम ऊंचाई वाली संरचना होती है।

इसका निर्माण खुले खेत में उगाई जाने वाली फसल को कम तापमान या पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए किया जाता है। यह दूसरी संरचनाओं की अपेक्षा काफी कारगर एवं सस्ती तकनीक है। इसे तैयार करना काफी आसान होता है। लो-टनल संरचना में हरितगृह जैसा ही वातावरण उत्पन्न हो जाता है। निम्न सुरंग (लो-टनल) स्थापित करने के लिए अर्धचन्द्राकार लोहे के तारों को 2 से 3 मीटर की दूरी पर स्थापित करते हैं।

उसके बाद अर्धचन्द्राकार लोहे के तारों के ऊपर मध्य में रस्सी बांध देते हैं। इन तारों पर 50 माइक्रॉन मोटाई तथा 2 मीटर चौड़ी पारदर्शी प्लास्टिक की चादर बिछाकर इसकी लंबाई वाले दोनों सिरों को मिट्टी से दबा देते हैं। इससे तेज हवा चलने पर भी प्लास्टिक नहीं उड़ती। निम्न सुरंग या पॉलीथीन की ऊंचाई लगभग 60 से 10 सेंटीमीटर रखते हैं।

प्लास्टिक की फिल्म को दिन के समय हटा देते हैं तथा रात के समय पुन: ढक देते हैं। ऐसा करने से सुरंग के अंदर मिट्टी के तापमान में वृद्धि हो जाती है। इससे पुष्पन जल्दी होता है और अच्छी फलत प्राप्त होती है। फरवरी के दूसरे या तीसरे सप्ताह में जब तापमान बढ़ जाता है तो प्लास्टिक फिल्म को पूर्णत: हटा देते हैं।

चूर्णी फफूद या छाछ्या- इस रोग के लक्षण पहले स्ट्रॉबेरी की पत्तियों की ऊपरी सतह पर एवं तनों के ऊपर छोटे-छोटे बैंगनी रंग के धब्बों के रूप में दिखते हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या केलिक्सिन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

एंथ्रेक्नोज (श्यामव्रण) एवं फल सड़न- यह रोग भी गर्म एवं आर्द्र मौसम में ज्यादा फैलता है। इसके कारण स्ट्रॉबेरी की पत्तियों पर हल्के, गहरे काले रंग के धब्बे दिखाई देने लगते हैं। यह फलों को भी प्रभावित करता है। इससे गोल हल्के जलीयनुमा धब्बे फलों पर दिखाई देने लगते हैं।

रोकथाम- इससे बचाव के लिए हमेशा अच्छे जल निकास एवं खरपतवार मुक्त खेत में ही स्ट्रॉबेरी उगाएं साथ ही स्वस्थ एवं रोगमुक्त रोपण सामग्री के साथ-साथ फसलचक्र अपनाएं। कार्बेन्डाजिम दवा 200 ग्राम को 100 लीटर पानी में मिलाकर 10 से 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

ग्रे मोल्ड- यह कवक स्ट्रॉबेरी के सम्पूर्ण पौधे (तना, पत्तियां, फल, फूल, पेटीओल) को नुकसान पहुंचाता है। परंतु पुष्पन एवं फल लगते समय यह ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। इसके कारण कच्चे एवं पके फल खराब हो जाते हैं। प्रभावित भागों पर ग्रे रंग के धब्बे बन जाते हैं। यह हवा एवं पानी द्वारा रोगग्र सित भाग से स्वस्थ पौधों में फैल जाता है। बारिश के दिनों में जब तापमान कम एवं आर्द्रता ज्यादा होती है, तो इसके फैलने के लिए यह बहुत अनुकूल समय होता है। अत: इसका सही समय पर बचाव जरूरी है।

रोकथाम- इससे बचाव के लिए डाइथेन एम- 45 नामक फफूंदनाशी की 1.5 ग्राम मात्रा का प्रति लीटर पानी में डालकर छिड़काव करना चाहिए।

स्ट्रॉबेरी के फलों की तुड़ाई का समय बाजार की दूरी के अनुसार तय करते हैं। सामान्यत: फलों की तुड़ाई आधे से तीन चौथाई भाग (2/3) के रंग बदलने के पश्चात करते हैं। फलों की तुड़ाई डंठल सहित प्रात: काल सूरज निकलने से पूर्व ही पूर्ण कर लेनी चाहिए। तोड़े हुए फलों को रखने के लिए ट्रे का प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि इसके फल बड़े नाजुक होते हैं। इन्हें गहरे बर्तन में रखने से फलों की ऊंची परत के दबाव के कारण नीचे भरे फलों को नुकसान पहुंच सकता है।

स्ट्रॉबेरी के फलों को 2 से 3 दिनों तक ही सुरक्षित रखा जा सकता है।

मोदी सरकार ने हाशिए पर पड़े लोगों को ऊपर उठाया, नीतिगत निष्क्रियता के लिए कांग्रेस दोषी : सत शर्मा

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा ने मोदी सरकार को दलितों के उत्थान और समाज के उपेक्षित वर्गों की जरूरतों को पूरा करने का श्रेय दिया। शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे पीएम मोदी के कार्यकाल ने भारत को भ्रष्टाचार, नीतिगत निष्क्रियता और कमजोर होती अर्थव्यवस्था में फंसी कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार से विरासत में मिली आर्थिक चुनौतियों से बचाया।

शर्मा ने जम्मू में भाजपा मुख्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान कहा यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार है जिसने बेजुबानों को आवाज दी, गरीबों और वंचितों की मदद की, राष्ट्रीय राजनीति को स्थिर किया और भारत को दुनिया के सबसे विकसित देशों में स्थान दिलाया। उन्होंने एक साधारण पृष्ठभूमि से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का कद बढ़ाने तक के मोदी के सफर की प्रशंसा की, इसकी तुलना कांग्रेस की परिवार-केंद्रित नेतृत्व और विभाजनकारी नीतियों की विरासत से की।

शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सामाजिक विभाजन को बनाए रखने के लिए ब्रिटिश काल की फूट डालो और राज करो की विचारधारा का इस्तेमाल किया और समाज के विभाजन को ऊपर उठाने में विफल रही। उन्होंने कहा कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत के लोगों ने कांग्रेस पार्टी के दोहरे मानदंडों को पहचान लिया है। उन्होंने विकास को बढ़ावा देने और नागरिकों को एकजुट करने के लिए भाजपा की जन-केंद्रित नीतियों को श्रेय दिया और कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। इस कार्यक्रम में पुंछ हवेली से विधायक चौधरी अब्दुल गनी ने 20,000 से अधिक भाजपा सदस्यता फॉर्म जमा किए। साथ ही अन्य प्रमुख नेताओं ने भी हजारों फॉर्म जमा किए

भाजपा नेताओं ने जम्मू में जनता दरबार लगाया, विकास और व्यक्तिगत शिकायतों का समाधान किया

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। जनता की शिकायतों का समाधान करने के लिए एक ठोस प्रयास में जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, जम्मू-कश्मीर भाजपा के वरिष्ठ नेता चंद्र प्रकाश गंगा और जम्मू-कश्मीर भाजपा के सचिव अरविंद गुप्ता ने जम्मू के त्रिकुटा नगर में भाजपा मुख्यालय में जनता दरबार लगाया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए जिसमें निवासियों ने प्रतिनिधिमंडल के रूप में और व्यक्तिगत रूप से अपनी समस्याएं रखीं।

इस बातचीत के दौरान उठाई गई चिंताएं मुख्य रूप से विकास से जुड़ी थीं जिसमें गलियों और नालियों का निर्माण और मरम्मत, स्ट्रीट और हाई मास्ट लाइटों की स्थापना और रखरखाव, स्वच्छता के मुद्दे और राजस्व और संरक्षक विभागों से जुड़े व्यक्तिगत मामले शामिल थे। पार्टी नेताओं ने धैर्यपूर्वक सुनवाई की और उठाए गए मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को तुरंत चिंताओं से अवगत कराया और प्रभावित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के लिए समयबद्ध समाधान का आग्रह किया।

डॉ. मन्याल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से जम्मू-कश्मीर में हुए परिवर्तनकारी विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 और 35 (ए) के निरस्त होने से क्षेत्र की छवि आतंकवाद की राजधानी से बदलकर पर्यटन की राजधानी बन गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा केंद्र शासित प्रदेश में शांति और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसी बीच चंद्र प्रकाश गंगा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार की अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए आलोचना की और मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई विकास पहलों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एनसी ने ठोस नतीजों के बिना बड़े-बड़े वादे करके जम्मू-कश्मीर के लोगों को धोखा दिया है।

डोगरी मानता दिवस मनाया, साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया

जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)। डोगरी संस्था, जम्मू ने कुंवर वियोगी ऑडिटोरियम, डोगरी भवन, कर्ण नगर जम्मू में आयोजित एक सादे लेकिन प्रभावशाली समारोह में 'डोगरी मानता दिन ' मनाया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जम्मू-कश्मीर सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त सचिव संजीव वर्मा (आईएएस) उपस्थित थे।

इस अवसर पर मातृभाषा डोगरी और डुग्गर प्रदेश की सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले साहित्यकारों और कलाकारों को वर्ष 2023-24 के दौरान साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेताओं के साथ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मानित की जाने वाली प्रमुख हस्तियों में सुमन शर्मा, दर्शन दर्शी और शिव दोबलिया (सभी साहित्य के लिए), पं. नारायण प्रसाद (शास्त्रीय नृत्य), सुमन गुप्ता (पेंटिंग), माधवी शर्मा (मीडिया), अनिल टिक्कू (रंगमंच) शामिल थे। साहित्य अकादमी के मुख्य पुरस्कार के लिए विजय वर्मा, बाल साहित्य पुरस्कार के लिए बिशन सिंह %दर्दी%, अनुवाद पुरस्कार के लिए डॉ. सुषमा रानी और हीना चौधरी को युवा पुरस्कार के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। प्रोमिला मन्हास ने डोगरी साहित्यकारों और कलाकारों के पक्ष में प्रशंसा पत्र पढ़े, जबकि राजेश्वर सिंह %राजू% ने साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेताओं के पक्ष में प्रशंसा पत्र पढ़े।

इससे पहले प्रो. ललित मगोत्रा, प्रधान डोगरी संस्था जम्मू ने मुख्य अतिथि, पुरस्कार तथा सम्मान प्राप्त करने वालों और अन्य सभी उपस्थित सम्मानित व्यक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि डोगरी संस्था जम्मू, एक अग्रणी साहित्यिक संगठन है, जो 1944 में अपने गठन के बाद से हमेशा मातृभाषा डोगरी के संरक्षण और प्रचार के लिए एक मजबूत आवाज के रूप में काम कर रही है। उन्होंने मातृभाषा डोगरी को भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए दशकों के संघर्ष को याद किया और कहा कि इससे निस्संदेह संस्थाओं के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी अधिक जिम्मेदारी आई है क्योंकि अपने अस्तित्व के लिए काम करना हमारा साझा उद्देश्य है। इस दिन को पूरे क्षेत्र में डोगरी मान्ता दिन के रूप में मनाया जाता है, इसे पूरे देश और यहां तक कि विदेशों में भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जाना चाहिए जहां-जहां भी डोगरे रहते हैं ताकि हमारी जड़ों के प्रति जुड़ाव की भावना हमें अपनी मातृभाषा के प्रचार-प्रसार में योगदान देने के लिए प्रेरित करे। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में जब दुनिया भर में मातृभाषाएं अस्तित्व के लिए संकट का सामना कर रही हैं, नई शिक्षा नीति (एनईपी) मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने के लिए एक रचनात्मक कदम है, जिससे इसके अस्तित्व को बचाने और मातृभाषा के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने में मदद मिलेगी ।

मुख्य अतिथि संजीव वर्मा (आईएएस) ने समारोह में सभी को संबोधित करते हुए कहा कि डोगरी संस्था मातृभाषा डोगरी और क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में सराहनीय प्रयास कर रही है। हमें यह महसूस करना होगा कि हमारी मातृभाषा और सांस्कृतिक परंपराएं एक समुदाय के रूप में हमारे अस्तित्व का आधार हैं और हमें इसे संरक्षित करना होगा – किसी भी कीमत पर। हम गर्वित डोगरा हैं और हमें अपनी भाषा के साथ-साथ परंपराओं पर भी गर्व महसूस करना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी समय की आवश्यकता को समझेंगे और साझा उद्देश्य के लिए योगदान देंगे। उनके भाषण का मुख्य आकर्षण प्राचीन वैदिक भाषा और शास्त्रीय डोगरी भाषा के बीच घनिष्ठ संबंध पर दिया गया ज़ोर था। उनका दृढ़ मत था कि डोगरी वैदिक भाषा के सबसे करीब है। उन्होंने डोगरी और वैदिक भाषा के बीच समानता के कई उदाहरण पेश करके अपने विचारों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हर डोगरा को इस महान विरासत पर गर्व होना चाहिए और इस दिशा में आगे शोध कार्य किया जाना चाहिए।

पवन वर्मा द्वारा संचालित कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। समारोह का समापन डोगरी संस्था जम्मू के महामंत्री राजेश्वर सिंह 'राजू' के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।